सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भक्तो को चावल के दानों में दर्शन... पेज: 6

जैकी भगनानी न स्कूल प्रीत सिंह से शादी के .. पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 26 | सोमवार 27 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दिल्ली मेट्रो के महिला शौचालय में मिला शव, रोहिणी मेट्रो स्टेशन में बम होने की अफवाह से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार को मेट्रो स्टेशनों पर हुई दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और हालात को लेकर चिंता बढ़ा दी। एक ओर जहां रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन पर बम की अफवाह से हड़कंप मच गया, वहीं दूसरी ओर इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर महिला शौचालय के अंदर एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पहली घटना उत्तर-पश्चिम दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन की है, जहां शाम करीब 5:30 बजे बम होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, बम डिटेक्शन टीम और सीआईएसएफ के जवान तुरंत मौके पर पहुंच गए। पूरे स्टेशन परिसर की गहन तलाशी ली गई, लेकिन जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, यह एक फर्जी कॉल थी। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है, जो प्रारंभिक जांच में मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। अधिकारियों ने राहत की बात बताते हुए कहा कि इस घटना का मेट्रो सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा और परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। वहीं दूसरी घटना इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन की है, जहां शाम करीब 5:33 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली कि स्टेशन के सुलभ परिसर में स्थित महिला शौचालय अंदर से बंद है और वहां से तेज दुर्गंध आ रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां लगभग 40 वर्षीय एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक शौचालय का केयरटेकर प्रतीत हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसे आखिरी बार करीब दो दिन पहले देखा गया था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पहचान की प्रक्रिया जारी है।

केदारनाथ मार्ग पर बारिश में कार खाई में गिरी, 4 लोगों को बचाया

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार देर शाम एक बड़ा हादसा हुआ, जब एक कार 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई। गुप्तकाशी और गौरीकुंड के बीच जुरानी बैरियर के पास हुई इस घटना में महाराष्ट्र की तीन महिला तीर्थयात्रियों और चालक को पुलिस और बचाव दल ने सुरक्षित बचा लिया। अधिकारियों ने बताया कि सबसे पहले यातायात टीम ने घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही गुप्तकाशी पुलिस थाना, फाटा चौकी और यातायात पुलिस के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम के बावजूद, बचाव दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त कार से चालक समेत सभी चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। बचाई गई महिला तीर्थयात्रियों की पहचान महाराष्ट्र निवासी सुषमा, साधना और लता के रूप में हुई है। सभी पीड़ितों को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

मुंबई में पाइप गैस के नाम पर साइबर ठगी : 30 दिन में 100 से ज्यादा लोग ठगे गए, 2.7 करोड़ की चपत

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट और एलपीजी की संभावित कमी की आशंकाओं के बीच साइबर ठगों ने नया तरीका अपनाकर मुंबई में लोगों को निशाना बनाया है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) के पाइप गैस उपभोक्ताओं और नए कनेक्शन के आवेदकों को फर्जी मैसेज और कॉल के जरिए ठगकर पिछले 30 दिनों में 100 से अधिक लोगों से करीब 2.7 करोड़ रुपये ठग लिए गए हैं। पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, ठगों ने लोगों को डराने के लिए 'आज रात कनेक्शन बंद हो जाएगा' जैसे मैसेज भेजे। इसके बाद उन्हें एक लिंक के जरिए मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा गया। यह फाइल असल में एक मालवेयर था, जिससे ठगों को फोन का रिमोट एक्सेस मिल जाता था और वे बैंकिंग जानकारी चुरा लेते थे। साइबर पुलिस के डीआईजी संजय शिंत्रे कहते हैं कि ठग पहले एसएमएस या व्हाट्सऐप पर बिल अपडेट न होने या भुगतान बाकी होने का झूठा मैसेज भेजते थे। फिर खुद को एमजीएल या इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का अधिकारी बताकर कॉल करते थे। वे लोगों को 'वेरिफिकेशन' या 'अपडेट' के नाम पर एपीके फाइल डाउनलोड कराते थे। इसे इंस्टॉल करते ही ठग फोन को कंट्रोल कर लेते थे और ओटीपी सहित बैंक डिटेल्स हासिल कर लेते थे। इसके बाद कुछ ही मिनटों में कई ट्रांजेक्शन कर लाखों रुपये उड़ा लेते थे। पीड़ितों में घरेलू सहायकों से लेकर शिक्षक, ड्राइवर, वकील, पत्रकार, व्यवसायी, सरकारी कर्मचारी और बुजुर्ग शामिल हैं। उधर महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने स्पष्ट किया है कि वह कभी भी संदिग्ध मैसेज के जरिए कनेक्शन बंद करने की धमकी नहीं देता। एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए नहीं कहता और बिल अपडेट के लिए अनजान नंबरों पर कॉल करने को नहीं कहता।

विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ ने बताए मलेरिया से बचाने के उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक मच्छर भी आपके स्वास्थ्य के लिए बड़ी दिक्कत पैदा कर सकता है। विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मलेरिया को पूरी तरह समाप्त करने के बता कह कर कहा कि मच्छरों के काटने से फैलने वाली बीमारी के बचाव के लिए हमें क्या करना और क्या नहीं करना चाहिए। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, इन बीमारियों को आसानी से रोका और ठीक किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सावधानी जरूरी है। संगठन ने आम लोगों से अपील की है कि वे मच्छरों को पनपने से रोकें और खुद को बचाएं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए घर के आसपास जमे पानी को पूरी तरह हटा दें। मच्छर पानी में अंडे देते हैं, इसलिए गमलों, टायरों, बाल्टियों या किसी भी जगह पर पानी जमा न रहने दें। सूरज डूबने से लेकर सूरज उगने तक पूरी बाजू वाले कपड़े पहनें ताकि मच्छर काट न सकें। सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल जरूर करें। खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगाएं ताकि मच्छर घर के अंदर न आ सकें। इसके अलावा, लक्षणों पर नजर रखें जैसे मलेरिया के शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। मलेरिया के आम लक्षण हैं, बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, थकान, सिरदर्द और मतली। अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखने पर देर न करें। वहीं, गंभीर लक्षण में भ्रम की स्थिति, सांस लेने में तकलीफ, दौरे पड़ना व गाढ़ा पीला पेशाब होना।

फंस गए चड्ढा? कपिल सिब्बल ने निकाला पेच, अब उसी पर सियासी चाल चलेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) अपने सात राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद अब पूरी तरह से आक्रामक और एक्शन मोड में नजर आ रही है। पार्टी इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक धोखा नहीं, बल्कि एक संवैधानिक संकट मान रही है और इसे संसद से लेकर राष्ट्रपति भवन तक ले जाने की पूरी तैयारी कर चुकी है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के साथ-साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर इन बागी सांसदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने का निर्णय लिया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने घोषणा की है कि वे राज्यसभा अध्यक्ष को औपचारिक पत्र लिखकर इन सातों सांसदों की सदस्यता तत्काल प्रभाव से खत्म करने की मांग करेंगे। संजय सिंह का तर्क है कि यह पूरा घटनाक्रम असंवैधानिक और संसदीय मर्यादाओं के खिलाफ है। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। पार्टी की मंशा पंजाब से चुने गए इन सांसदों को वापस बुलाने यानी रिकॉल करने की मांग उठाने की है, हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय संविधान में फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई जब राघव चड्ढा की अगुवाई में कुल दस में से सात सांसदों ने पाला बदलकर बीजेपी का दामन थाम लिया। बागी गुट में अशोक मित्तल, संदीप पाठक, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी, हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल जैसे बड़े नाम शामिल हैं। बागी गुट का दावा है कि उनके पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए उनका विलय कानूनी रूप से वैध है। हालांकि, कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ वकीलों का मानना है कि किसी भी विलय के लिए केवल सांसदों की सहमति काफी नहीं होती, बल्कि मूल पार्टी के स्तर पर भी औपचारिक प्रस्ताव आवश्यक है। आम आदमी पार्टी ने इस टूट के पीछे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि विपक्षी नेताओं को डराने और विपक्ष को कमजोर करने के लिए छापेमारी का सहारा लिया गया है। दूसरी ओर, बीजेपी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे सांसदों की अंतरात्मा की आवाज करार दिया है। अब सभी की निगाहें राज्यसभा अध्यक्ष और राष्ट्रपति के रुख पर टिकी हैं कि वे इस संवैधानिक पेच पर क्या फैसला लेते हैं। यह मामला भविष्य में पंजाब की राजनीति और देश के दल-बदल कानून की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

तेलंगाना-चारमीनार एक्सप्रेस के कोच में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचे यात्री

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरी जिले में एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया, जहाँ चारमीनार एक्सप्रेस के एक कोच में अचानक आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब ट्रेन अलेर रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी, तभी उसके एस-5 कोच से धुएं के साथ आग की तेज लपटें उठने लगीं। राहत की बात यह रही कि घटना के समय ट्रेन की रफ्तार काफी कम थी, जिसके चलते किसी भी यात्री के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे के दौरान कोच में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।

जैसे ही आग की लपटें खिड़कियों से बाहर निकलने लगीं, यात्रियों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत चेन खींच दी। ट्रेन की गति धीमी होने के बावजूद दहशत में आए कुछ यात्री ट्रेन रुकने से पहले ही खिड़कियों और दरवाजों से बाहर कूद गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देखते ही देखते पूरा कोच आग की भट्ठी में तब्दील हो गया था, लेकिन समय रहते ट्रेन रुक जाने से आग अन्य डिब्बों तक नहीं फैल सकी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ट्रेन के कोच से भयावह काला धुआं और लपटें उठती देखी जा सकती हैं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पूरी जांच के बाद ही असली वजह सामने आ पाएगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है और मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस हादसे ने एक बार फिर ट्रेनों में सुरक्षा मानकों और बिजली के रख-रखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

व्हाइट हाउस डिनर पार्टी में फायरिंग को लेकर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

भारत को नरक कहने वालों... दिखा असली नरक

-ट्रंप ने बताया था भारत को नरक अब उन पर साधा जा रहा राजनीतिक तौर पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। इस घटना पर शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुराने बयान पर तीखा पलटवार किया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस देश ने भारत को 'नरक' कहा था, वह खुद गन हिंसा के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने अमेरिका में बढ़ती गोलीबारी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए इसे एक बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान गोलियों की आवाज सुनाई देना बेहद चिंताजनक है। घटना के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। प्रियंका ने अपने पोस्ट में लिखा कि अमेरिका में बंदूक हिंसा एक पुरानी और गंभीर समस्या है, जिस पर हर बड़ी घटना के बाद चर्चा तो होती है, लेकिन ठोस समाधान नहीं निकलता।

उन्होंने कहा कि इस समस्या के कारण स्कूली बच्चों, निर्दोष नागरिकों और यहां तक कि राजनीतिक नेताओं की भी जान जा चुकी है। इस घटना के बहाने उन्होंने ट्रंप के उस बयान को भी याद दिलाया, जिसमें भारत और भारतीय प्रवासियों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। प्रियंका ने कहा कि गन हिंसा से निपटने में विफलता के चलते अमेरिका खुद 'नरक जैसा' बनता जा रहा है।

कर्नाटक में सियासी हलचल तेज, सीएम बदलने की अटकलों को मिली हवा

दिल्ली में डटे डीके शिवकुमार, बेंगलुरु में सिद्धारमैया की 'सीक्रेट' बैठक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में इन दिनों अंदरूनी खींचतान तेज होती नजर आ रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के दिल्ली दौरे और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की बेंगलुरु में बंद कमरे की बैठक ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। इन घटनाक्रमों के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दावणगेरे उपचुनाव से जुड़ा विवाद अब पार्टी के भीतर शक्ति संतुलन की लड़ाई का रूप लेता दिख रहा है। एक ओर शिवकुमार खेमे के नेता सक्रिय हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सिद्धारमैया समर्थक भी अपनी रणनीति को मजबूत करने में जुट गए हैं। इसी बीच, सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के कनिंघम रोड स्थित एक निजी स्थान पर अपने करीबी मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में जी. परमेश्वर, के. एच. मुनियप्पा, सतीश जरकीहोली, जमीर अहमद खान और दिनेश गुंडू राव समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बताया जा रहा है कि बैठक में संभावित कैबिनेट फेरबदल और पार्टी के अंदरूनी मुद्दों पर चर्चा की गई।

वहीं दूसरी तरफ, डीके शिवकुमार अपने भाई डीके सुरेश के साथ दिल्ली पहुंचे और पार्टी नेतृत्व से मुलाकात कर रहे हैं। उन्होंने इस बैठक को लेकर अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि वे नेताओं को 'करीबी' या 'गैर-करीबी' के आधार पर नहीं आंकते। हालांकि सार्वजनिक मंचों पर दोनों नेताओं ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है, लेकिन उनके समर्थकों के बयानों में मतभेद साफ नजर आ रहा है। सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया ने दावा किया कि उनके पिता पूरे पांच साल मुख्यमंत्री बने रहेंगे। वहीं, शिवकुमार समर्थक विधायकों का कहना है कि मौजूदा कार्यकाल में ही उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी उपचुनाव और सरकार के तीन साल पूरे होने के बाद पार्टी में बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। खुद शिवकुमार ने भी संकेत दिए हैं कि 20 मई से पहले कुछ 'अप्रत्याशित घटनाक्रम' देखने को मिल सकते हैं। फिलहाल, अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान के हाथ में है, लेकिन जिस तरह से दोनों खेमे सक्रिय हुए हैं, उससे साफ है कि कर्नाटक की राजनीति आने वाले दिनों में और ज्यादा गर्माने वाली है।

देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी के बीच बारिश का रेड अलर्ट, ओलावृष्टि और तूफान की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से जूझ रहे भारत के कई राज्यों के लिए राहत की खबर सामने आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, आंधी-तूफान और ओलावृष्टि का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, जहां एक ओर मैदानी इलाकों में सूरज की तपिश चरम पर है, वहीं दूसरी ओर पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश और तूफान की प्रबल संभावना बनी हुई है, जिसका असर आसपास के राज्यों पर भी देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 26 से 28 अप्रैल के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जहाँ हवाओं की गति 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, 28 से 30 अप्रैल के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में भी छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है। मैदानी राज्यों की बात करें तो पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में 27 से 30 अप्रैल के दौरान मौसम में बदलाव दिखेगा। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में भी 28 अप्रैल से 1 मई के बीच गरज और तेज हवाओं के साथ बारिश होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश का बांदा 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म स्थान रहा, लेकिन आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट की उम्मीद है। आईएमडी का कहना है कि 28 अप्रैल से उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है, जिससे लू से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आगामी कुछ दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 27 अप्रैल से 1 मई के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। विशेषकर असम और मेघालय में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाले भीषण तूफान की चेतावनी दी गई है, जिससे जलभराव और दृश्यता कम होने की आशंका है।

पूर्वी भारत में झारखंड और दक्षिण के उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 26 और 27 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा में भी तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने आम जनता को सलाह दी है कि जब तक तापमान में गिरावट नहीं आती, तब तक दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचें और मौसम की चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतें।

क्या महाराष्ट्र में भी ठाकरे गुट के अंदर ऑपरेशन लोटस की हलचल

-आप के अंदर हुई बगावत के बाद सियासी चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर हलचल तेज होती दिख रही है, और सवाल उठ रहे हैं कि क्या उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) का भी वहीं हाल होने वाला है, जैसा हाल हाल के समय में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के साथ हुआ है। आप में कई बड़े नेताओं, खासकर राज्यसभा सांसदों के अलग होने की खबरों के बाद अब वैसी ही अटकलें शिवसेना (यूबीटी) को लेकर लग रही हैं।

दरअसल, करीब चार साल पहले एकनाथ शिंदे की बगावत के कारण शिवसेना दो हिस्सों में बंट गई थी, जिससे उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद भी गंवाना पड़ा। अब फिर उनके गुट से असंतोष की खबरें सामने आ रही हैं। हाल ही में पार्टी के कुछ सांसदों की गतिविधियों ने इन अटकलों को और हवा दे दी है।

विशेष रूप से संजय जाधव की गैरमौजूदगी ने पार्टी के भीतर सवाल खड़े कर दिए। वे न 'मातोश्री' में हुई महत्वपूर्ण बैठक में पहुंचे और न ही 'सेना भवन' में आयोजित बैठक में शामिल हुए। जाधव मराठवाड़ा क्षेत्र में पार्टी का कदवार चेहरा माने जाते हैं, इसके बाद उनकी अनुपस्थिति को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ नेता अंबादास दानवे ने जाधव की गैरमाजूदगी को पारिवारिक कारण बताकर स्थिति को सामान्य बताने की कोशिश की है। लेकिन यह उद्धव ठाकरे गुट के लिए अकेला मामला नहीं है। पिछले कुछ महीनों में शिवसेना (यूबीटी) के कई सांसदों के बीच असंतोष की खबरें आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के कामकाज और नेतृत्व से संवाद की कमी को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। अरविंद सावंत और अनिल देसाई जैसे कुछ नेताओं को छोड़कर कई सांसद अन्य राजनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

इस बीच, कुछ नेताओं की दूसरी पार्टियों के नेताओं से मुलाकातों ने भी शक को बढ़ाया है। जैसे नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय देशमुख ने केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जबकि संजय जाधव की अमित शाह से मुलाकात की खबरें भी सामने आईं। हालांकि इन मुलाकातों को 'शिष्टाचार' बताया गया, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इन्हें संभावित रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

फिलहाल, कोई ठोस सबूत नहीं है कि शिवसेना (यूबीटी) में तुरंत कोई बड़ी टूट होने वाली है। लेकिन जिस तरह की गतिविधियां सामने आ रही हैं, उससे यह जरूर साफ है कि पार्टी के अंदर सब कुछ पूरी तरह स्थिर नहीं है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह केवल अटकलें हैं या वास्तव में महाराष्ट्र की राजनीति एक और बड़े बदलाव की ओर बढ़ रही है।

भारत-चीन के बीच रूसी तेल को लेकर खींचतान, सऊदी अरब में भी लगाई सेंध

-प्रतिस्पर्धा तेज, जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए बोली लगाना शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका के साथ चल रहे ईरान युद्ध ने भारत और चीन को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां 'दोस्ती' नहीं, बल्कि 'जरूरत' मायने रखती है। होर्मुज में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच ठप पड़ी शांति वार्ता ने वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की किल्लत पैदा कर दी है। इसके परिणामस्वरूप अब भारत और चीन के बीच रूसी तेल के हर एक बैरल को लेकर जबरदस्त खींचतान शुरू हो गई है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज के रास्ते में ईरान की घेराबंदी और खाड़ी देशों के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे हमलों ने मिडिल ईस्ट से आने वाले तेल की आपूर्ति पर ब्रेक लगा दिया है। कल तक जो भारत और चीन सऊदी अरब और इराक से बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहे थे, आज वे अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह रूस की तरफ मुड़ गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी कच्चे तेल के लिए भारत और चीन के बीच मुकाबला अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए दोनों देशों ने अभी से ही बोली लगानी शुरू कर दी है, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से पहले के आंकड़ों पर गौर करें तो चीन होर्मुज के रास्ते रोजाना करीब 44.5 लाख बैरल तेल मंगाता था, जो अप्रैल में घटकर मात्र 2.2 लाख बैरल रह गया। वहीं, भारत के लिए भी यह आंकड़ा 28 लाख बैरल से लुढ़ककर 2.4 लाख बैरल पर आ गया है, जो एक बड़ी गिरावट है। तेल भंडार के मामले में भारत की स्थिति चिंताजनक है। चीन के पास करीब तीन से चार महीने का तेल भंडार है, जबकि भारत के पास केवल 30 दिनों का बफर स्टॉक है। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए हैं, जिससे देश में ईंधन की मांग कम नहीं हुई है। इसका सीधा मतलब है कि भारत को किसी भी कीमत पर तेल चाहिए, जो उसकी मोलभाव करने की क्षमता को कमजोर करता है।

रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने हाल ही में एक इंटरव्यू में साफ किया कि भारत भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है और रूस इस सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। उन्होंने अमेरिकी पाबंदियों को 'अवैध दबाव' करार दिया। अब हकीकत यह है कि भारत के पास अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस के अलावा कोई ठोस विकल्प नहीं है, खासकर जब वैश्विक बाजार में अन्य स्रोतों से आपूर्ति बाधित हो रही है। इस बीच चीन ने भारत की एक और प्रमुख तेल आपूर्ति स्रोत सऊदी अरब में भी सेंध लगा दी है। युद्ध से पहले भारत सऊदी अरब से अपना तेल आयात बढ़ा रहा था, लेकिन अब वहां भी चीन ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। सऊदी अरब ने चीन की रिफाइनरियों में मोटा पैसा लगा रखा है। अप्रैल में सऊदी अरब ने चीन को 13.5 लाख बैरल तेल

भेजा है, जो यह दर्शाता है कि चीन न केवल रूसी तेल के लिए भारत से मुकाबला कर रहा है, बल्कि पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं पर भी अपनी पकड़ बना रहा है, जिससे भारत के लिए चुनौती खड़ी गई है।

आम आदमी पार्टी पर बड़ा संकट- केजरीवाल कब छोड़ेंगे पार्टी सुप्रीमो की कुर्सी?

संतोष कुमार पाठक

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

आम आदमी पार्टी के सुप्रीम लीडर अरविंद केजरीवाल अपने सांसदों द्वारा 24 अप्रैल को उन्हें दिए गए गिफ्ट को कभी भूल नहीं पाएंगे। सरकार से लड़-भिड़कर केजरीवाल ने अदालत के जरिए जो सरकारी बंगला लिया था, उस बंगले में परिवार सहित शिफ्ट होने की जानकारी केजरीवाल ने जिस दिन सोशल मीडिया पर शेयर किया, उसी दिन उनके भरोसेमंद सांसदों ने उनकी पार्टी ही तोड़ दी।

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

राघव चड्ढा की जिस काबलियत को देखकर एक जमाने में कुमार विश्वास, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल ने उन्हें इंटर्न के तौर पर पार्टी के साथ जोड़ा था। उसी काबलियत का इस्तेमाल करते हुए बड़ी ही चालाकी से राघव चड्ढा ने आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 का जुगाड़ (खुद को मिलाकर) करते ही बीजेपी का दामन थाम लिया।टूट के लिए कानूनी रूप से जरूरी दो-तिहाई सांसदों का जुगाड़ कर एक बार फिर से राघव चड्ढा ने अपनी काबलियत तो साबित कर दी लेकिन इस बार वे अपने ही राजनीतिक गुरु केजरीवाल पर भारी पड़ गए।

पार्टी छोड़ने से पहले उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, जिस पार्टी को खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से भटक गई है। वहीं केजरीवाल ने अपने राजनीतिक स्टाइल के मुताबिक, बीजेपी पर पंजाबियों के साथ धोखा देने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी और उनके पूरे सिस्टम ने

इन्हें गद्दार, यहां तक कि देशद्रोही तक साबित करने का अभियान छेड़ दिया है।

जबकि होना तो यह चाहिए था कि इतनी बड़ी टूट के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं, खासकर आंदोलन के समय के नेताओं को बैठकर आत्ममंथन करना चाहिए। वर्ष 2013 से पहले और उसके बाद आए तमाम नेताओं पर नजर डालते हुए, यह सोचना चाहिए कि अब तक कितने गए, कब गए, क्यों गए और किसकी वजह से गए? लेकिन इसकी बजाय केजरीवाल पार्टी छोड़कर जाने वाले हर नेता को गद्दार साबित करने में जुट जाते हैं ताकि पार्टी के अंदर कोई भी उनके रवैए पर सवाल न उठा पाए।

आप का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए गए देशव्यापी आंदोलन से हुआ था इसलिए इस पार्टी का खत्म होना दशकों तक इस देश को आंदोलन के नाम से डराता रहेगा। इसके लिए सिर्फ ऑपरेशन लोटस और बीजेपी को जिम्मेदार बता देने से काम नहीं चलेगा।

संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं को तुरंत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आपात बैठक बुलाकर कुछ कड़े फैसले लेने की पहल करनी चाहिए। दिल्ली में मिली हार के बाद अब यह सवाल तो बेमानी हो गया है कि 'एक व्यक्ति, एक पद' के नियम के बावजूद अरविंद केजरीवाल वर्षों तक दो-दो पदों पर कैसे बने रहे? लेकिन अब यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि आखिर पिछले साढ़े 13 वर्षों से एक ही व्यक्ति (अरविंद केजरीवाल) पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक क्यों बने हुए हैं? क्या संजय सिंह, मनीष सिसोदिया या पार्टी के किसी भी अन्य नेता में पार्टी की कमान संभालने की क्षमता नहीं है ? नेताओं को पार्टी से निकालने का मामला हो या राज्यसभा उम्मीदवार तय करने का मामला हो, यह सब कुछ एक ही व्यक्ति की इच्छा पर कब तक छोड़ा जाएगा? आखिर पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी क्यों बनाई गई है और इसका काम क्या है? पहले दिल्ली में सत्ता सुख भोगों और जब यहां पर जनता सत्ता से बाहर कर दें तो पंजाब जाकर जम जाओ, ये किस तरह का रवैया है? चाहे वो केजरीवाल हो या मनीष सिसोदिया या फिर बिभव कुमार या फिर कोई अन्य नेता या कर्मचारी, दिल्ली की हार के बाद क्या ये लोग 3-4 साल भी दिल्ली में या देश के अन्य राज्यों में संघर्ष नहीं कर सकते जो ये लोग सत्ता वाले राज्य पंजाब को घर बनाने निकल पड़ते है? अगर इन सवालों के जवाब नहीं तलाशे गए तो यकीन मानिए कि आने वाले दिनों में आप का पूरा संगठन भी बीजेपी में विलय होता हुआ नजर आएगा।

अगर यह सब सिर्फ एक या दो व्यक्ति की जिद के कारण हो रहा है तो पार्टी के सभी नेताओं को मिलकर उन्हें किनारे लगाकर किसी और सक्षम नेता को जिम्मेदारी देनी चाहिए। पार्टी को अपने पुराने नेताओं की भी घर वापसी का अभियान बड़े पैमाने पर चलाना चाहिए और सबसे बड़ी बात आप के नेताओं को यह समझना चाहिए कि राज्यसभा की सांसदी का टिकट धन्नासेठों के लिए नहीं पार्टी के समर्पित कार्यकताओं के लिए होता है।

राजनीतिक हालात जिस तेजी से बदल रहे हैं, अगर उससे भी ज्यादा तेजी से आप ने बदलाव नहीं किए तो आने वाले दिनों में पार्टी के नाम और निशान दोनों पर ही बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि क्या अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, बिभव कुमार, भगवंत मान और आतिशी इस बड़े बदलाव के लिए तैयार हैं?

संपादकीय

मतदान के मील-पत्थर

पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण का और तमिलनाडु में पूरा मतदान हो गया। लोकतंत्र के लिए यह बेहद सुखद संकेत और रुझान है कि दोनों राज्यों में क्रमशः 92.72 फीसदी और 85.14 फीसदी मतदान के साथ नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। आजकल 60-70 फीसदी मतदान हो जाए, तो राजनीतिक दल और नेतागण राहत की सांस लेते हैं। बंगाल के इस बार के मतदान पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने खुलासा किया है कि आजादी के बाद देश में सबसे अधिक मतदान बंगाल में हुआ है, तो 1967 के बाद पहली बार तमिलनाडु में इतना अधिक मतदान किया गया है। जाहिर है कि अतीत के तमाम कीर्तिमान बौने हो गए हैं और लोकतंत्र की निर्णायक भागीदारी ने नए मील-पत्थर गाड़ दिए हैं। ये मतदान इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बंगाल में कुल 91 लाख से अधिक और तमिलनाडु में 57 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए, काट दिए गए थे। अब भी लाखों के मताधिकार अधर में लटके हैं। एसआईआर का खौफ और भय था, ऐसी आशंकाएं भी जताई जा रही थीं कि यदि वोट नहीं देंगे, तो अंततः नागरिकता भी जा सकती है! यहां हम स्पष्ट बता दें कि न तो संविधान में ऐसा कोई प्रावधान है और न ही देश का कानून है कि वोट न देने से नागरिकता रद्द की जा सकती है। आप बहकावे में न आएं, भ्रमित न हों और डरने की कोई जरूरत नहीं है। आपकी भारतीयता कोई खैरात नहीं है। वह आपका जन्मसिद्ध अधिकार है। बहरहाल बंपर मतदान की व्याख्याएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी का 'एग्जिट पोल' दावा कर रहा है कि भाजपा प्रथम चरण की 152 सीटों में से 100 सीटें पार कर चुकी है। हालांकि भाजपा ने 125 सीटों पर प्रचंड जीत का दावा किया है। बंपर मतदान को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी जीत मान रही हैं। इसे 4 मई तक छोड़ देना चाहिए, जिस दिन जनादेश सार्वजनिक होंगे। कुछ पेशेवर चुनावी पंडित 'शर्तिया विश्लेषण' करने में जुटे हैं कि भाजपा कुल मिला कर 150-160 सीटें जीत रही है, नतीजतन ममता की 15 साल पुरानी सत्ता ढह रही है और भाजपा की सरकार बन रही है। यह दावा प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक जनसभा में किया था कि इस बार कई जिलों में तृणमूल कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। प्रधानमंत्री ने ऐसा दावा अपने राजनीतिक अनुभव के आधार पर किया था। यह भी चुनावी और सियासी दावा साबित हो सकता है। यदि ममता बनर्जी 'बंगाली अस्मिता' की प्रतीक न होतीं, तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक मंच से यह घोषणा न करनी पड़ती कि भाजपा मुख्यमंत्री बंगाली होगा, बंगाल में जन्मा और पढ़ा-लिखा होगा तथा बंगला भाषा बोलता होगा। भाजपा कार्यकताओं को 'मछली' लेकर जुलूस न निकालने पड़ते और पार्टी के केंद्रीय मंत्री स्तर के नेताओं को, मंगलवार के दिन, 'मछली-चावल' खाते हुए इंटरव्यू न देने पड़ते। मुख्यमंत्री को लेकर भाजपा को बंगाल में ही सफाई देनी पड़ रही है। किसी अन्य राज्य में अपवाद हो सकता है, अलबत्ता भावी मुख्यमंत्री को लेकर कोई भी घोषणा नहीं करनी पड़ती। बंगाल और भाजपा के दरमियान चारित्रिक और सांस्कृतिक फासले आज भी हैं। बहरहाल ममता बनर्जी चुनाव हारती हैं, तो एसआईआर के कारण नहीं, बल्कि महिला मतदाताओं के कम वोट के कारण हारेंगी। बेशक मतदान का दिन कई 'मुक्त' के साथ बीता है, लेकिन बंगाल 'हिंसा-मुक्त' नहीं हो पाया। मुर्शिदाबाद इलाके में निवर्तमान विधायक हुमायूं कबीर के वाहन पर पथराव हुआ। उनके साथ हाथापाई भी हुई। इसी तरह कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार सुवेन्दु सरकार को लोगों ने भगा-भगा कर पीटा। एक पुलिसिया अंगरक्षक इतनी भीड़ के मुक्के-थप्पड़ों को कैसे रोक सकता था।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशन्स आज के दौर में

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वाताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं। आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है। दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिपबिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'ग्रीन एनर्जी' जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी उएढअ लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था। लेकिन अपेक्षित परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं, तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं।

हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ कुछ अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहता है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं। तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5G, 6G, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश 'डिजिटल ब्रिज' बनाकर साथ काम करें, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है। शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं। सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है।

भविष्य की दृष्टि से भारत और दक्षिण कोरिया को केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यापार लक्ष्य स्पष्ट हों, निवेश प्रक्रियाएँ सरल हों, नई तकनीकों पर संयुक्त मिशन बनें, रक्षा उद्योग सहयोग बढ़े और युवाओं के बीच सीधा संपर्क मजबूत किया जाए। 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर से अधिक ले जाने का लक्ष्य व्यावहारिक रूप से संभव है, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीतिगत स्पष्टता दिखाई जाए। भारत के लिए दक्षिण कोरिया केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि तकनीकी और रणनीतिक सहयोगी है। वहीं दक्षिण कोरिया के लिए भारत एक विशाल बाजार, विश्वसनीय लोकतांत्रिक मित्र और भविष्य की आर्थिक शक्ति है। बदलती विश्व व्यवस्था में ऐसे साझेदारों का महत्व और बढ़ जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत-दक्षिण कोरिया संबंध आज के दौर में नई संभावनाओं के मोड़ पर खड़े हैं। यदि दोनों देश व्यावहारिक सहयोग, पारस्परिक विश्वास और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हैं, तो यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एशिया और विश्व में स्थिरता, समृद्धि और संतुलन की नई मिसाल बन सकती है।

अमेरिका में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा की चुनौती: डोनाल्ड ट्रम्प पर हमलों का सिलसिला और 'गन कल्चर' का संकट

कांतिलाल मांडोत

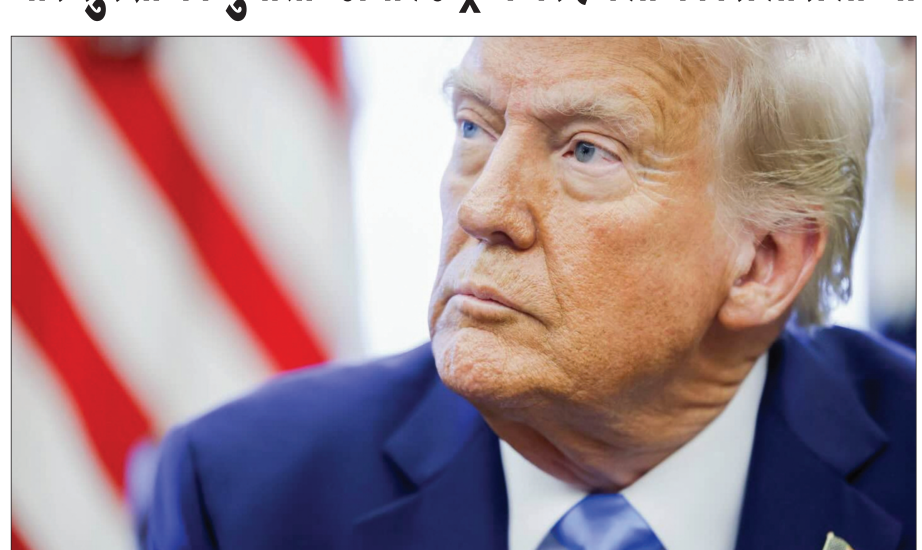

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई ताजा फायरिंग की घटना ने एक बार फिर दुनिया का ध्यान अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था और वहां के गन कल्चर की ओर खींच लिया है। इस घटना में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोलियों की आवाज सुनते ही पूरा हॉल दहशत में आ गया और मेहमान मेजों के नीचे छिपने को मजबूर हो गए। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और हमलावर को पकड़ लिया गया, लेकिन यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है।

इस हमले के बाद एक बार फिर यह चर्चा तेज हो गई है कि अमेरिका में राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा कितनी मजबूत है और आखिर क्यों बार-बार ऐसे हमले हो रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के साथ यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वे कई बार हमलों या हमले जैसे खतरों का सामना कर चुके हैं।

सबसे चर्चित घटना 13 जुलाई 2024 की है, जब पेंसिल्वेनिया के बटलर शहर में एक चुनावी रैली के दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ था। उस समय एक हमलावर ने लंबी दूरी से असॉल्ट राइफल से फायरिंग की थी। एक गोली उनके कान के ऊपरी हिस्से को छूते हुए निकल गई थी। यह हमला बेहद खतरनाक था और अगर गोली कुछ सेंटीमीटर इधर-उधर होती, तो परिणाम भयावह हो सकते थे। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत भी हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। इस हमले ने अमेरिकी चुनावी माहौल को पूरी तरह बदल दिया था और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रम्प को उनके राजनीतिक करियर के दौरान कई बार धमकियां भी मिली हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद और फिर दोबारा चुनावी राजनीति में सक्रिय होने के कारण वे लगातार निशाने पर रहे हैं। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस समय-समय पर ऐसे कई संभावित हमलों को नाकाम करने का दावा करती रही है, जिनकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। हालांकि ये घटनाएं यह संकेत देती हैं कि खतरा लगातार बना हुआ है।

ताजा घटना में हमलावर की पहचान कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया का रहने वाला बताया जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि वह एक शिक्षित व्यक्ति था, जिसने इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस में उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। यह तथ्य इस बात को और चिंताजनक बना देता है कि हिंसा की प्रवृत्ति अब केवल असामाजिक तत्वों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि समाज के शिक्षित वर्ग तक भी पहुंच रही है।

इस घटना के दौरान मलानिया ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वंश भी मौजूद थे। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी वीआईपी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, जो यह दशार्ता है कि ऐसी घटनाएं कितनी तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकती हैं।

अमेरिका में गन कल्चर लंबे समय से बहस का विषय रहा है। वहां हथियार रखना संवैधानिक अधिकार माना जाता है, लेकिन इसी अधिकार का दुरुपयोग लगातार बढ़ती हिंसा का कारण बन रहा है। स्कूलों में गोलीबारी, सार्वजनिक स्थानों पर हमले और राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाना अब आम घटनाएं बनती जा रही हैं। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य का भी गंभीर संकट बन चुकी है।

बराक ओबामा के कार्यकाल में भी गन कंट्रोल को लेकर कई प्रयास किए गए थे, लेकिन मजबूत लॉबी और राजनीतिक मतभेदों के कारण कोई ठोस कानून लागू नहीं हो सका। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में भी इस मुद्दे पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, जिससे स्थिति और जटिल हो गई।

हाल की घटना के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यह बयान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस घटना की गंभीरता को दशार्ता है।

अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि डॉनल्ड ट्रम्प पर हुए हमले केवल व्यक्तिगत नहीं हैं, बल्कि यह अमेरिकी लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं पर भी हमला हैं। जब किसी देश का सर्वोच्च नेता ही सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है।

इस तरह की घटनाएं यह भी दशार्ती हैं कि सुरक्षा एजेंसियों को लगातार अपने तरीकों और तकनीकों को अपडेट करना होगा। केवल परंपरागत सुरक्षा उपाय अब पर्याप्त नहीं हैं। आधुनिक तकनीक, इंटेलिजेंस नेटवर्क और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण को भी सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बनाना होगा।

साथ ही, समाज में बढ़ती कट्टरता और मानसिक असंतुलन के मामलों को भी गंभीरता से लेना होगा। जब तक इन मूल कारणों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक केवल सुरक्षा बढ़ाने से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमलों का सिलसिला यह संकेत देता है कि अमेरिका एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां उसे अपने गन कानूनों, सामाजिक नीतियों और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। यह केवल एक देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी है कि अगर समय रहते ऐसे खतरों को नहीं रोका गया, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर हो सकती है।

इस पूरी घटना और इससे जुड़े पिछले हमलों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि डोनाल्ड ट्रम्प का राजनीतिक जीवन लगातार जोखिमों से भरा रहा है। वे कई बार मौत के करीब पहुंचे हैं, लेकिन हर बार बच निकले। हालांकि यह सवाल अभी भी बना हुआ है कि आखिर कब तक ऐसा चलता रहेगा और क्या अमेरिका इस चुनौती का कोई स्थायी समाधान खोज पाएगा।

रजबपुर में दिनदहाड़े फायरिंग की घटना में बाल बाल बचे मां और बेटा, केस दर्ज

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रजबपुर क्षेत्र में दिनदहाड़े फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया बताया जा रहा है कि क्षेत्र के एक गांव में मां और बेटे को निशाना बनाकर यह फायरिंग की गई जिसमें मां और बेटा दोनों बाल बाल बचे हैं और गोली घर के गेट के पास लगे सीमेंट के पिलर में जा धंसी। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि बागड़पुर निवासी सर्वेश देवी पत्नी स्व. सतपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शनिवार शाम करीब 6:30 बजे वह अपने घर पर थीं, तभी काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी उनके गेट के सामने आकर रुकी। गाड़ी से उतरे गांव के ही सचिन उर्फ मुनेंद्र पुत्र सतवीर ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने 315 बोर का तमंचा निकालकर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। सर्वेश देवी ने दीवार की आड़ लेकर अपनी जान बचाई। शोर सुनकर उनका बेटा मौके पर पहुंचा तो आरोपी ने उस पर भी दूसरा फायर किया, लेकिन वह भी सुरक्षित बच गया। फायरिंग के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। कुछ देर बाद पीड़िता के भतीजे विजेंद्र को भी फोन पर धमकी दी गई कि "आज तो बच गए, कब तक बचोगे।

"दिनदहाड़े फायरिंग और खुलेआम धमकी ने पुलिस गश्त और कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, इलाके में कानून व्यवस्था को लेकर लोगों का भरोसा कमजोर पड़ता दिख रहा है। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने 25 अप्रैल को रात 23:17 बजे आरोपी सचिन उर्फ मुनेंद्र के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

गजरौला में पुलिस चौकी से महज 100 की दूरी पर लूट, बदमाशों ने 3 हजार रुपए व जेवरात लूटे

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र की चौपला चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर बाइक सवार बदमाशों ने एक परिवार से लूटपाट की। यह घटना शनिवार देर रात करीब 12 बजे हुई। पीड़ित परिवार रामपुर जिले का रहने वाला है।

बता दें कि रामपुर के बिलासपुर स्थित मुहल्ला साहूकारा निवासी विनीत रस्तोगी अपनी भांजी के सगाई समारोह में शामिल होने गजरौला जा रहे थे। उनके साथ उनकी पत्नी रोशनी, मां किरन रस्तोगी और दो बच्चे भी थे। परिवार शनिवार देर रात करीब 12 बजे रोडवेज बस से चौपला पर उतरा। पुलिस चौकी से लगभग 100 मीटर आगे बढ़ते ही एक बाइक पर सवार दो बदमाशों ने रोशनी का पर्स छीन लिया और फरार हो गए। पर्स में 3000 रुपये नकद और कुछ जेवरात थे। घटना के बाद बदमाशों के फरार होने पर परिवार ने शोर मचाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया, लेकिन वे पकड़ में नहीं आए। पीड़ित परिवार ने गजरौला थाने में तहरीर दी है। पुलिस तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

अमरोहा पुलिस लाइन में दीक्षांत समारोह का आयोजन, 194 रिक्रूट आरक्षियों ने ली शपथ

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में रविवार को अमरोहा पुलिस लाइन में दीक्षांत समारोह का आयोजन कराया गया जिसमें 194 रिक्रूट आरक्षियों ने शपथ ली। इस दौरान नवप्रशिक्षित आरक्षियों ने परेड के साथ शपथ ली। समारोह में नोएडा से आए आईपीएस अजय कुमार पांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नवप्रशिक्षित आरक्षियों को कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा का संदेश दिया। बता दें कि इस अवसर पर जिलाधिकारी नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव भी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने जवानों की मेहनत और समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम की शुरूआत शानदार परेड से हुई, जिसमें रिक्रूट आरक्षियों ने कदमताल करते हुए अपने प्रशिक्षण और अनुशासन का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि ने परेड की सलामी ली। अधिकारियों ने कहा कि यह दीक्षांत समारोह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी की नई शुरूआत है। नवआरक्षियों से कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और आम जनता का भरोसा जीतने में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद जताई गई। दीक्षांत समारोह के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूट्स को सम्मानित भी किया गया।

श्री साईं इलेवन ने जुबिलेंट इलेवन को 15 रनों से हराकर जीती ट्राफी

विश्व टीकाकरण सप्ताह में हुआ मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन, आकाश मैन आफ द मैच

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- विश्व टीकाकरण सप्ताह में आयोजित मैत्री क्रिकेट मैच में श्री साईं हास्पीटल मुरादाबाद इलेवन की टीम ने जुबिलेंट इलेवन को 15 रनों से परास्त कर ट्राफी पर कब्जा कर लिया। विजेता टीम के खिलाड़ी आकाश को मैन आफ द मैच का खिताब मिला।

बता दें कि रविवार की सुबह सात बजे जुबिलेंट की सैकिंड कालोनी में स्थित क्रिकेट मैदान में आयोजित 20 ओवर के मैत्री क्रिकेट मैच में टॉस जीतकर श्री साईं इलेवन की टीम खेल मैदान में उतरी। इस टीम के खिलाड़ी विवेक ने अपनी धुंआधार बैटिंग से चौके-छक्कों की झड़ी लगा दी। इसके बावजूद कप्तान अभिषेक समेत टीम के सभी खिलाड़ी 17 ओवर में 145 रनों पर सिमट गए। जीत का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी कप्तान मयंक शर्मा के नेतृत्व वाली जुबिलेंट इलेवन की टीम को श्री साईं इलेवन की टीम के जबरदस्त क्षेत्र रक्षण का सामना करना पड़ा। टीम ने 15 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 100 रनों का स्कोर खड़ा कर लिया लेकिन श्री साईं इलेवन की जबरदस्त फील्डिंग और बॉलिंग के सामने टिक नहीं पाई। इस टीम के ओपनर बल्लेबाज नवीन के कैच आउट होने के बाद अरुण और संजीव के भी पवेलियन लौटते ही टीम का हौसला पस्त हो गया। जुबिलेंट इलेवन की टीम निर्धारित 20 ओवरों में ऑल आउट होकर केवल 131 रन ही बना सकी और श्री साईं इलेवन की टीम ने 15 रनों से मैच जीत लिया। विजेता टीम के आकाश ने चार ओवर में 17 रन देकर सात विकेट लिए। उन्हें मैन आफ द मैच घोषित किया गया। जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने विनर और रनर टीम के साथ ही मैन आफ द मैच को भी पुरस्कृत किया। मैच के स्कोरर महेंद्र मौर्य, धीरज एवं एम्पायर सुमित, मौसम सिन्हा रहे। इस मौके पर जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के यूनिट हेड विनोद झा, श्रम विभाग के सेवानिवृत्त चिकित्सक डा.उमाशंकर दीक्षित, अनुपम सिंह, डा,नितिन राय, सुनील तिवारी, विष्णु राणा, उदय राणा, आशु, जॉनी आदि भी मौजूद रहे।

रिजर्व पुलिस लाइन अमरोहा में भव्य दीक्षांत परेड समारोह का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- रिजर्व पुलिस लाइन में 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्तीझ2025 बैच के पुलिस कर्मियों का भव्य दीक्षांत परेड समारोह गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजय कुमार, पुलिस उपमहानिरीक्षक, नोएडा की उपस्थिति में परेड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी नितिन गौड़ भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा सर्वप्रथम परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नवआरक्षियों की अनुशासन, दक्षता एवं शारीरिक क्षमता की सराहना की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत परेड 194 आरक्षियों की केवल प्रशिक्षण की समाप्ति नहीं, बल्कि एक नई जिम्मेदारी की शुरूआत है, जिसमें प्रत्येक आरक्षी को जनसेवा, कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं पुलिस की गरिमा को उच्च बनाए रखने के लिए समर्पित रहना होगा। कार्यक्रम के दौरान 194 आरक्षियों में से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने नवआरक्षियों को कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव ने अपने संबोधन में सभी नवआरक्षियों को बधाई देते हुए कहा कि जनपद पुलिस को आप जैसे ऊर्जावान एवं प्रशिक्षित कर्मियों का साथ मिलने से पुलिस व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने सभी को अनुशासन, सेवा भावना एवं टीमवर्क के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में जनपद अमरोहा स्थित आर0टी0सी0 में आयोजित परीक्षाओं में विभिन्न विषय समूहों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूट आरक्षियों ने सर्वोच्च अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी रिक्रूट आरक्षियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रदान की गई। इस अवसर पर जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

अमरोहा पुलिस ने शातिर अपराधियों पर की हिस्ट्रीशीट व गुंडा एक्ट की कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देश पर शातिर अपराधियों पर अमरोहा पुलिस द्वारा कठोर कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने मयंक पुत्र कृष्ण कुमार यादव निवासी ग्राम ताजपुर थाना मण्डी धनौरा, सुमित दिवाकर पुत्र नत्थू निवासी ग्राम मलकपुर शुमाली थाना मण्डी धनौरा, उमेश कुमार पुत्र देवीसहाय निवासी ग्राम पुरसल थाना आदमपुर, नरेश पुत्र शंकर निवासी ग्राम सिकन्दराबाद थाना आदमपुर के विरुद्ध गुण्डा एक्ट की कार्यवाही की है,

जबकि 2 अपराधी अल्ताफ पुत्र इकरामुद्दीन निवासी मोहल्ला हाता कस्बा व थाना नौगावां सादात, शौकीन पुत्र रफीक निवासी ग्राम सैदपुर इम्मा थाना नौगावं सादात पर हिस्ट्रीशीट तैयार की गई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराध व अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाने के लिए यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि अपराधियों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के अवसर पर जिले में होगा भव्य कार्यक्रम, लोकार्पण का होगा लाइव प्रसारण

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए डीएम ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

अमरोहा (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के अवसर पर 29 अप्रैल 2026 को जनपद अमरोहा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत जनसभा होगी तथा बड़ी स्क्रीन पर लोकार्पण समारोह का सीधा प्रसारण होगा।

जिला प्रशासन ने कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए सभी तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम का आयोजन गंगा एक्सप्रेसवे के निकट किसी उपयुक्त स्थल पर किया जाएगा। शुक्रवार सायं जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जिलाधिकारी नितिन गोड़ द्वारा विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी ग्रीश कुमार को सम्पूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० योगेन्द्र सिंह को गर्मी के मौसम को देखते हुए एम्बुलेंस, जीवन रक्षक औषधियों सहित कुशल मेडिकल टीम तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। उपजिलाधिकारी हिमांशु उपाध्याय एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी, हसनपुर को कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की जिम्मेदारी दी गई है। अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद अमरोहा को कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री हरदोई जिले में 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। यह एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों (मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज) को जोड़ेगा।

राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी में याद किया गया बहुजन महापुरुषों का योगदान

अलीगढ़ (सब का सपना):- सम्यक संस्कृति साहित्य संघ के बैनर तले ऑनलाइन राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का विषय बहुजन महापुरुषों का देश के विकास में योगदान रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. संतोष पटेल (सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) ने की तथा संचालन आर. एस. आघात ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अप्रैल माह में जन्मे महान बहुजन महापुरुष डॉ. भीमराव अंबेडकर और राष्ट्रपिता ज्योतिबा फुले को स्मरण करते हुए किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से कवियों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी। लखनऊ से डॉ. अवंतिका सिंह ने समाज की वर्तमान परिस्थितियों को उजागर करती हुई अपनी चार रचनाएँ– लिखना जरूरी है, हाशिए का आदमी, योमे आजादी तथा मजदूरों का संगीत प्रस्तुत कीं। अलीगढ़ से एन. प्रीति बौद्ध ने जल आंदोलन सहित तीन रचनाओं का पाठ किया। हापुड़ से डॉ. जितेंद्र कुमार जीत ने अपनी रचना के माध्यम से बाबा साहेब के जीवन को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। रामपुर से अमित रामपुरी ने रमा गर तुम नहीं होती कविता के माध्यम से बाबा साहेब और माता रमाबाई को भावपूर्ण नमन किया। मेरठ से गुलाब सिंह ने अपनी सुरमयी आवाज में बाबा साहेब के सपनों का देश बनाने आए हैंह्व तथा पुष्प उनके लिए बिछा जो गए प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अलीगढ़ से बनवारी लाल विकल ने आओ चलें बनायें भारत बाबा के ख्यालों से गीत प्रस्तुत कर खूब तालियाँ बटोरीं। संघ के संरक्षक डॉ. पूरन सिंह ने अपनी संक्षिप्त किन्तु प्रभावशाली रचनाएँ भूख और जीत हमारी होगी प्रस्तुत कर कार्यक्रम में विशेष उत्साह भर दिया। कार्यक्रम में अंतिम प्रस्तुति मंच संचालक आर एस आघात ने अपनी कविता- भीमराव जी गए हैं लंदन गौलमेज सम्मेलन में को प्रस्तुत किया जिसकी सभी ने प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी । कार्यक्रम में अन्य प्रतिभागियों में डॉ. अनिता भारती, राहुल कुमार, अभी, प्रियंका साहनी, सईदा सैयरा, अभिषेक कुमार, नौशाद अली, मुन्नी लाल तथा अंजली आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षीय भाषण में डॉ. संतोष पटेल ने कहा कि यह मंच उत्कृष्ट कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है और सभी की सक्रिय भागीदारी सराहनीय है। उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में इन कार्यक्रमों में विचार-विमर्श एवं पुस्तक परिचर्चा को भी शामिल किया जाए, जिससे मंच और अधिक समृद्ध हो सके।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. जितेंद्र कुमार जीत ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संघ भविष्य में और भी बेहतर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

परिवार परामर्श केंद्र में 47 मामलों की सुनवाई, 4 परिवारों में हुआ समझौता

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति स्थित महिला थाना बहजोई में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को काउंसलर्स के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। इस दौरान कुल 47 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 11 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं 4 परिवारों को आपसी सहमति से पुन एकजुट कराया गया।

इसके अलावा 3 पत्रावलियों में विधिक कार्यवाही की संस्तुति की गई, जबकि 4 मामलों को आवेदक द्वारा आगे कार्रवाई न करने के कारण बंद कर दिया गया।

इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, लवमोहन वार्ष्णेय, संगीता भार्गव, कंचन माहेश्वरी सहित महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत व महिला आरक्षी ज्योति समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस में जमीनी विवादों पर फोकस, 5 मामलों के निस्तारण के निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- शासन की मंशा के अनुरूप शनिवार को थाना बहजोई में थाना समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। थाना समाधान दिवस के दौरान ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा, रास्ते के विवाद तथा पैमाइश से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। कुल 5 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिन पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जिलाधिकारी डॉ. पैंसिया ने निर्देश दिए कि जमीनी विवादों से संबंधित सभी शिकायतों को सूचीबद्ध कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर निष्पक्ष तरीके से जांच की जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को बार-बार भटकना न पड़े।

इस मौके पर क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, थाना प्रभारी सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बहजोई में रिक्रूट आरक्षी दीक्षांत परेड समारोह संपन्न, शानदार परेड ने बांधा समां

बहजोई/संभल(सब का सपना):- ईश्वर दास टेक्निकल इंस्टीट्यूट, बहजोई में रविवार को प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों का ह्यरिक्रूट आरक्षी दीक्षांत परेड समारोह 2025-26ह्ल बड़े ही गरिमामय और भव्य माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रिक्रूट आरक्षियों ने कठिन प्रशिक्षण के बाद शानदार परेड का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 08:00 बजे परेड को परेड स्थल पर लाने के साथ हुआ। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार के आगमन पर उनका विधिवत स्वागत एवं अभिवादन किया गया। मुख्य अतिथि आन्जनेय कुमार सिंह, कमिश्नर मुरादाबाद मंडल के आगमन के बाद उन्होंने परेड की सुसज्जित टोलियों का निरीक्षण किया तथा परेड द्वारा उन्हें सलामी दी गई। समारोह में रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में नवनियुक्त आरक्षियों को अनुशासन, कर्तव्यपरायणता और ईमानदारी के साथ सेवा करने का संदेश दिया। इस दौरान प्रशिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूटों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी रिक्रूट आरक्षियों को देश सेवा, संविधान के प्रति निष्ठा और जनसुरक्षा की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के बाद टोलियों ने गौरवपूर्ण ढंग से प्रस्थान किया।

अंत में पुलिस अधीक्षक ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर पुलिस अधिकारी, कर्मचारीगण, रिक्रूट आरक्षियों के परिजन एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

बाल विवाह के खिलाफ अभियान तेज, ग्रामीणों को दिलाई शपथ

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में बाल अपराधों के खिलाफ जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से कार्य कर रही प्रयत्न संस्था द्वारा जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को पंवासा ब्लॉक के नारियों सराय गांव में संस्था की ओर से बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने ग्रामीणों को बाल अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि यदि आसपास कहीं भी बाल अपराध की जानकारी मिले तो जेआरसी हेल्पलाइन 18001027222 या पुलिस 112 पर सूचना दी जा सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक अपराध है, जिसे जड़ से समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर आवाज उठानी होगी। अभियान का उद्देश्य जनपद सम्भल को बाल विवाह मुक्त बनाना है।

इस अवसर पर संस्था के फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद, शरीफ पहलवान, आमिर, भूरा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे और सभी ने मिलकर बाल विवाह के खिलाफ संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आयोजित, मरीजों का हुआ नि:शुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रविवार को 250वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सभी मेला सत्रों पर 33 चिकित्सकों और 136 पैरा-मेडिकल स्टाफ की टीम द्वारा कुल 2746 मरीजों का उपचार किया गया। इनमें 1236 पुरुष, 1064 महिलाएं और 446 बच्चे शामिल रहे। साथ ही आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 126 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए। मेले में विभिन्न रोगों के मरीजों की जांच व उपचार किया गया, जिनमें बुखार के 257, चर्म रोग के 568, दमा के 384, मधुमेह के 103, उच्च रक्तचाप के 163, नेत्र रोग के 19 तथा अन्य रोगों के मरीज शामिल रहे। बुखार के मरीजों में 36 की मलेरिया और 11 की डेंगू जांच की गई, जिसमें सभी रिपोर्ट निगेटिव पाई गईं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श के लिए अलग काउंटर स्थापित किए गए, जहां लोगों को ह्यचॉइस ऑफ बास्केटह्ल के तहत सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।

जिलाधिकारी के निदेशों के अनुपालन में आशा कार्यकताओं द्वारा संचारी रोगों से बचाव एवं सोर्स रिडक्शन के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं ह्यएक युद्ध नशे के विरुद्धह्ल अभियान के तहत 172 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया।

इसके अलावा 47 मरीजों को टेलीमैनस कंसल्टेंसी की सुविधा भी प्रदान की गई। मेले के आयोजन का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया गया।

सरकार के आदेश के बाबजूद शिक्षा विभाग निजी स्कूल संचालकों पर नहीं कस पा रहा है शिकंजा

आदेश न मानने वाले स्कूलों की खत्म हो मान्यता

बुलंदशहर (सब का सपना) आनन्द शर्मा:- बेसिक शिक्षा विभाग के कुछ जिम्मेदार अफसरों की मिलीभगत या फिर लापरवाही से ज्यादातर प्राईवेट स्कूलों के संचालक बच्चों के उज्जवल भविष्य का सपना दिखाकर अभिभावकों के खून पसीना की कमाई को लूट अपनी तिजोरियां भरने में जुटे हैं। विद्युत विभाग से सेवानिवृत वयोवृद्ध समाजसेवी ईश्वर दयाल ने राधानगर स्थित अपने निवास पर सब का सपना टीम को दिए साक्षात्कार में उक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे स्कूलों में बच्चों को उच्च शिक्षा दिए जाने के नाम पर अभिभावकों से भिन्न भिन्न सुविधा प्रदान किए जाने का ढिंढोरा पीट बेहिसाब रुपया वसूला जा रहा है और अभिभावक लुटने के लिए बेबस है। उनका कहना रहा कि सरकार के आदेश की धज्जियां उडाने के बाबजूद शिक्षा विभाग की आंखों पर पट्टी बंधी हुई क्यों है,यह समझ से परे है। उनका साफ शब्दों में कहना रहा कि स्कूलों में सरकार के आदेश के मुताबिक एनसीआरटी किताबें पढ़ाना जरुरी है तो आखिर किसके दम पर प्राइवेट स्कूलों में इस आदेश का पालन नहीं हो पा रहा है और शिक्षा विभाग सरकार के आदेश के अनुपालन में आदेश की धज्जियां उडाने वाले स्कूलों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही क्यों नहीं कर पा रहा है , आखिर क्यों ? उन्होंने दावा किया कि निरिक्षण किया जाए तो ज्यादातर प्राईवेट स्कूल मान्यता के लिए जरूरी मानक भी पूरा नहीं करते हैं। फिर भी विभाग में पंजीकृत होने का दावा करते हैं। घर से स्कूल और स्कूल से घर बच्चों को लाने और वापस घर छोडने के लिए तिपहिया, चौपहिया और बसें लगा रखी हैं लेकिन क्या नियमानुसार आरटीओ आफिस में इन वाहनों की सूची अंकित कराई हुई है? क्या ऐसे वाहन मानकों को पूरा करते हैं? न तो इस ओर शिक्षा विभाग ध्यान देता है और न ही पुलिस, जबकि इनका सडक से ही आना जाना होता है। कई बार ऐसे वाहनों के दुर्घटना ग्रस्त होने से बच्चों का जीवन खतरे में पड चुका है लेकिन न अभिभावक ध्यान देते हैं और न ही स्कूल संचालक जबकि ध्यान देना चाहिए। अंत में उनका कहना रहा कि सरकार वास्तव में ही प्राईवेट स्कूलों में लुट रहे अभिभावकों को राहत प्रदान करना चाहती है तो एक ही आदेश सख्ती से लागू करें कि अगर किसी भी प्राईवेट स्कूल में सरकार के आदेश के अनुरूप बच्चों को सिर्फ एनसीआरटी किताबें ही पढाई जाएं नहीं तो उस स्कूल संचालक के खिलाफ तो कार्यवाही होगी ही साथ ही स्कूल की मान्यता भी खत्म कर दी जाएगी तथा जिस क्षेत्र में स्कूल होगा उस क्षेत्र के शिक्षा विभाग के अधिकारी के खिलाफ भी सरकार के आदेश का अनुपालन न कराने के लिए कानूनी कार्यवाही की जाए। सवाल उठता है कि क्या ऐसा सरकार कर पाएगी?

कस्बा इंचार्ज की सख्ती से मुख्य बाजार में नवयुवक लडकों में खलबली

रात दस बजते ही सड़कों पर फैंटम की गूंज

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और देर रात तक बेवजह घूमने वाले असमाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। कस्बा इंचार्ज दिलीप सिंह, ने मोर्चा सम्भालते हुए नगर में रात्रि गश्त तेज कर दी है। रात दस बजते ही सड़कों पर फैंटम की गूंज नगर की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए कस्बा इंचार्ज दिलीप सिंह, ठीक रात दस बजते ही अपनी सरकारी फैंटम बाइक पर गश्त के लिए निकल पड़ते है। उनके इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगर की उन कन्फैक्शनरी दुकानों को समय पर बन्द कराना है जहाँ देर रात तक भारी भीड़ जमा रहती है। पुलिस की इस सक्रियता से मबालियो में हड़कम्प का माहौल है। अड्डों पर पुलिस की पैनी नजर देखी गई है। नगर की अधिकांश कन्फैक्शनरी दुकानों पर रात के समय जमावड़ा लगा रहता है कई बार ये भीड़ सार्वजनिक अव्यवस्था और सुरक्षा के लिहाज से चिन्ता का विषय बन जाती है। पुलिस की इस कार्रवाई से ऐसे अड्डों पर अब सन्नाटा पसरने लगा है। कस्बा इंचार्ज दिलीप सिंह, की कार्यशैली का असर अब बाजार में साफ दिखने लगा है रात के दस बजते ही दुकानदार खुद ही अपनी दुकानों को समेटना शुरू कर देते है कई दुकानदार ग्राहकों से यह कहते सुने जाते है कि जल्दी करो दुकान बन्द करने का समय हो गया है साहब आने वाले होंगे हैरानी की बात तो यह है कि कई बार जैसे ही दुकानदार ये बात कहते है कस्बा इंचार्ज दिलीप सिंह, अपनी टीम के साथ दुकान के बाहर खड़े नजर आते है।

पुलिस की इस गश्त प्रणाली और समयबद्ध तरीके से बाजार बन्द कराने की पहल की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की है। लोगों का कहना है कि पुलिस की मौजूदगी से न केवल अपराधों पर लगाम लगेगी बल्कि देर रात तक हुड़दंग करने वालों में भी कानून का भय व्याप्त होगा।

स्याना अनाज मंडी में समस्याओं का अंबार समाधान न होने पर भाकियू अराजनेतिक ने 1 मई को दी धरने की चेतावनी

स्याना/बुलन्दशहर (सब का सपना):- स्याना में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी मांगेराम त्यागी ने सैकड़ों किसानों के साथ स्याना स्थित अनाज मंडी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडी में मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी और अव्यवस्थाओं का अंबार सामने आया, जिससे किसानों में गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया।

निरीक्षण में सामने आई प्रमुख समस्याओं में मंडी परिसर के भीतर बैंक की अनुपस्थिति, किसान भवन का अभाव, किसानों और पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था न होना, वर्षों से खराब पड़ी पानी की टंकियां, पशुओं के पानी के कुंडों में गंदगी, गेहूं क्रय केंद्रों पर अनियमितताएं तथा किसानों के चबूतरों पर व्यापारियों का कब्जा जैसी कई गंभीर मुद्दे शामिल रहे।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चौधरी मांगेराम त्यागी ने मौके पर ही उपजिलाधिकारी स्याना, थाना इंस्पेक्टर स्याना और मंडी समिति के अधिकारियों को बुलाकर समस्याओं से अवगत कराया। इसके बाद सभी अधिकारियों के साथ मंडी का संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस दौरान मंडी परिसर में अफरातफरी का माहौल बना रहा।

चौधरी त्यागी ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं भाकियू (अराजनैतिक) के युवा जिला अध्यक्ष ठाकुर शैलेंद्र आर्य ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का जल्द निस्तारण नहीं किया गया, तो संगठन 1 मई को स्याना तहसील पर धरना-प्रदर्शन करेगा।

उपजिलाधिकारी स्याना सहित अन्य अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का जल्द समाधान कराया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान जिला प्रभारी धर्मवीर उर्फ गुड्डू प्रधान, अंकुर त्यागी, यशपाल चौधरी, अरविंद शर्मा, मुदस्सिर खान, रोहतास शर्मा, रविंद्र राघव, लियाकत अली, प्रदीप गौड़, शिवम चौहान, सावेज खान, बिंदु जाटव, शहनवाज खान, अराफात चौधरी, केपी सिंह, नदीम खान, अरमान खान सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

दांतों के क्लीनिकों पर मरीजों से अभद्रता बिना बोर्ड और बैनर के चल रहे हैं सेंटर

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर में इन दिनों दांतों के उपचार के नाम पर मरीजों को लूटने और उनके साथ बदसलूकी करने का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। जहांगीराबाद चुंगी क्षेत्र में दांतों के क्लीनिकों पर झोलाछाप डॉक्टरों ने पैर पसार लिए है। जो न केवल इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूल रहे हैं बल्कि शिकायत करने पर मरीजों को धमकाने से भी बाज नहीं आते। ताजा जानकारी के अनुसार नगर में दांतों के डॉक्टरों की जैसे बाढ़ आ गई है जहांगीराबाद चुंगी के निकट संचालित एक क्लीनिक पर डॉक्टर द्वारा एक दांत पर कैप लगाने के नाम पर 10,000 से 15,000 रुपये तक की मांग की जा रही है। जब मरीज इलाज के दौरान होने वाली समस्याओं या अत्यधिक फीस को लेकर सवाल उठाते हैं तो डॉक्टर अपने पेशेवर दायित्व को भूल कर अभद्रता पर उतारू हो जाते हैं। पीड़ित मरीजों का आरोप है कि जब उन्होंने डॉक्टर से दांत में आ रही दिक्कत के बारे में बात की तो डॉक्टर ने सही जवाब देने के बजाय उनके साथ दुर्व्यवहार किया। हद तो तब हो गई जब मरीज के विरोध करने पर क्लीनिक संचालक ने अपनी ऊपर तक ऊंची पहुंच होने का दावा करते हुए उसे चुप रहने की धमकी दे डाली। हैरानी की बात यह है कि इस प्रकार के क्लीनिकों के बाहर न तो डॉक्टर के नाम का कोई बोर्ड लगा है और न ही उनकी डिग्री से सम्बन्धित कोई बैनर बिना किसी वैध लाइसेंस या मानक के ये झोलाछाप डॉक्टर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। यह स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गम्भीर सवाल खड़े करते है। नगर के लोगों ने इस मामले में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इन संदिग्ध क्लीनिकों की जांच होनी चाहिए और जो डॉक्टर बिना मानक के मरीजों को लूट रहे हैं या उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

जब इस सम्बन्ध में बुलन्दशहर सीएमओं से जानकारी की गई तो उन्होंने कहा कि आपके द्वारा जानकारी मिली है अगर ऐसा है तो जल्द ही अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

अनाज मण्डी समिति गेट पर लगा वाटर कूलर बना शो पीस

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- तपती दोपहरी और आसमान से बरसती आग से आम आदमी त्राहीमाम त्राहीमाम कर रहा है।

इससे इतर अनाज मण्डी समिति के मैन गेट पर जो वाटर कूलर लोगों की प्यास बुझाने के लिए हजारो रुपए लगाकर लगाया गया है वो वाटर कूलर जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण कबाड- बना हुआ है।

ये पहला ऐसा वाटर कूलर नहीं जो ऐसी हालत में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा हो एक वाटर कूलर अनाज मण्डी समिति गेट के भीतर भी लगा हुआ है वो भी अपनी दुर्दशा खुद बयां कर रहा है।

स्योहारा में मैरी एंड जीसस कॉन्वेंट स्कूल का नया भवन शुरू, उद्घाटन के बाद प्रार्थना, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित परिसर

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में मैरी एंड जीसस कॉन्वेंट स्कूल के नवनिर्मित भवन का भव्य उद्घाटन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन और रिबन काटकर नए परिसर का शुभारंभ किया। उद्घाटन के उपरांत विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जिसमें विद्यालय परिवार और अतिथियों ने सहभागिता कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे पूरे कार्यक्रम का माहौल उत्सवमय नजर आया।

विद्यालय के प्रबंधक सी.सी. सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि यह भवन आधुनिक शिक्षा की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि छात्रों को बेहतर सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना संस्थान की प्राथमिकता है।

प्रधानाचार्या अनीता सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित शिक्षा नहीं, बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने कहा कि नया भवन छात्रों को सुरक्षित, प्रेरणादायक और आधुनिक वातावरण प्रदान करेगा, जिससे उनकी प्रतिभा निखरेगी।

नए परिसर में करीब 28 आधुनिक कक्षाएं, 5 अत्याधुनिक लैब्स, एक कॉन्फ्रेंस रूम और समृद्ध लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है। विज्ञान विषयों के लिए तैयार लैब्स सीबीएसई मानकों के अनुरूप विकसित की गई हैं। विद्यालय में लगभग 30 शिक्षकों का स्टाफ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है।

विद्यालय के शैक्षिक प्रदर्शन का भी जिक्र किया गया, जिसमें सत्र 2026-27 की हाईस्कूल परीक्षा में कृतिका चौहान ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप किया। इस उपलब्धि ने विद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

नए भवन के शुरू होने से क्षेत्र के छात्रों को बेहतर संसाधनों के साथ उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और यह संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा।

गौशालाओं में खामियां उजागर, एसडीएम ने निरीक्षण कर दिए सख्त निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में संचालित गौसंरक्षण स्थलों की स्थिति का जायजा लेने के लिए उपजिलाधिकारी सदर रितु रानी ने हल्दौर ब्लॉक के विभिन्न गांवों में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई गौशालाओं में व्यवस्थाओं की कमी सामने आई, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए सुधार के निर्देश दिए।

एसडीएम ने छाछरी टीप, किनान उर्फ माड़ी और ननुपुरा गांव स्थित गौसंरक्षण स्थलों का निरीक्षण किया। छाछरी टीप में कुल 419 गोवंश मौजूद मिले, जिनमें तीन पशु बीमार पाए गए, जबकि एक पशु मृत अवस्था में मिला। इस स्थिति पर उन्होंने संबंधित कर्मियों को पशुओं की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने को कहा।

किनान उर्फ माड़ी में करीब 200 तथा ननुपुरा में 170 गोवंश पाए गए। ननुपुरा में पशुधन की संख्या कम मिलने और चारे की कमी पर एसडीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने बीडीओ हल्दौर को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने सभी गौसंरक्षण स्थलों पर पर्याप्त चारा उपलब्ध कराने, खाली पड़ी जमीन पर हरा चारा बोने, स्वच्छ पेयजल, बिजली और साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गोवंश की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

छिनैती का खुलासा, दो आरोपी दबोचे गए

वृद्धा के कुंडल बरामद, बाइक भी पुलिस के कब्जे में

बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली शहर पुलिस ने छिनैती की घटना का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वृद्ध महिला के छीने गए सोने के कुंडल (पीली धातु) और वारदात में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार, नई बस्ती निवासी नरेंद्र कुमार ने तहरीर देकर बताया था कि 23 अप्रैल को उनकी मां रजो देवी घर से घेर की ओर जा रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने पीछे से आकर उनके कानों से कुंडल झपट लिए और फरार हो गए। मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर युनूस निवासी सहारनपुर और फिरोज निवासी नजीबाबाद को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी आपस में रिश्तेदार हैं और वारदात के बाद कुंडल बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दोनों टूटे हुए कुंडल और घटना में प्रयुक्त हीरो पैशन प्रो बाइक बरामद कर ली है। मामले में साक्ष्यों के आधार पर धाराएं बढ़ाते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

27 अप्रैल को तहसील स्तर पर होगा प्रदर्शन, गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की उठी मांग

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- हिंदू सुरक्षा सेवा संघ की जिला स्तरीय बैठक रविवार को नूरपुर मार्ग स्थित लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले में आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर अहम निर्णय लिए गए। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेंद्र गहलोत ने की, जबकि संचालन धामपुर विधानसभा अध्यक्ष टीकम सिंह फौजी ने किया।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि 27 अप्रैल 2026 को जिले की पांचों तहसीलों पर प्रदर्शन कर ह्लगौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करनेह्व की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपे जाएंगे। इस मुद्दे को लेकर संगठन बड़े स्तर पर जनसमर्थन जुटाने की तैयारी में है।

जिलाध्यक्ष शैलेंद्र गहलोत ने कहा कि गौ संरक्षण और सम्मान के इस विषय को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर इस मांग को मजबूती दें।

बैठक में संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से कई नई जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। देवराज सिंह को जिला उपाध्यक्ष, रामअवतार चौहान को नगर अध्यक्ष (अफजलगढ़) और सत्यम भटनागर को नगर महामंत्री (अफजलगढ़) मनोनीत किया गया। इन नियुक्तियों से कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

जिला महामंत्री टिंकू शर्मा, मनोज चौहान, जिला मंत्री सौरभ चौहान, जिला उपाध्यक्ष सौरभ, महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष श्रीमती उमेश चौहान, ब्लॉक महामंत्री अंकित चौहान, ब्लॉक उपाध्यक्ष सुरेंद्र चौहान सहित राजू साहिल, मोहित कुमार, संजीव यादव, इंदर कुमार, डॉ. आर.एस. यादव और नवीन कुमार चौहान समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक के अंत में सभी ने एकजुट होकर 27 अप्रैल के प्रदर्शन को सफल बनाने का संकल्प लिया। यह मुद्दा अब जिलेभर में चर्चा का विषय बनता जा रहा है।

जंगल में मिली तीन दिन से लापता वृद्ध की लाश

बिजनौर (सब का सपना):- अमानगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां तीन दिन से लापता 68 वर्षीय अख्तियार हुसैन का शव जंगल की झाड़ियों में मिला। परिजन उन्हें गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। प्रारंभिक तौर पर वन्यजीव के हमले की आशंका जताई जा रही है, जिससे इलाके में दहशत फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, जसपुर क्षेत्र के निवासी अख्तियार हुसैन शुक्रवार को पास के एक मजार पर गए थे, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटे। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिनमें वह अमानगढ़ टाइगर रिजर्व की ओर जाते हुए दिखाई दिए।

सूचना मिलने पर वन विभाग और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। रविवार सुबह कंपार्टमेंट-17 क्षेत्र में वाटर हॉल के पास झाड़ियों में अख्तियार हुसैन गंभीर हालत में पड़े मिले। उनके शरीर पर चोटों के कई निशान पाए गए, जिससे वन्यजीव हमले की आशंका और गहरा गई।

वन विभाग की टीम ने तत्काल उन्हें अस्पताल भिजवाया, जहां से हालत नाजुक होने पर हायर सेंटर रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वन विभाग और पुलिस का कहना है कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। वहीं, इस घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है और लोग जंगल के आसपास जाने से कतरा रहे हैं।

गन्ने का जूस पीने के बाद महिला को आया हार्ट अटैक

दुकान के पट पर ही तोड़ा दम, घटना CCTV में कैद

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- मोहल्ला पहाड़ी दरवाजा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां गन्ने का जूस पीने के कुछ ही देर बाद एक महिला को अचानक हार्ट अटैक आ गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला सामान्य रूप से गन्ने का जूस पी रही थी। जूस पीने के बाद वह पास ही एक दुकान के पट (चबूतरे) पर बैठ गई। इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और वह तड़पने लगी। आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही महिला अचेत होकर गिर पड़ी।

स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद का प्रयास किया, लेकिन हालत इतनी गंभीर थी कि उसे बचाया नहीं जा सका। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। बताया जा रहा है कि घटना का पूरा घटनाक्रम पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया है, जिसमें महिला की अचानक बिगड़ती हालत साफ देखी जा सकती है।

प्राथमिक तौर पर इसे हार्ट अटैक का मामला माना जा रहा है, हालांकि पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है।

यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि अचानक आने वाले हृदयाघात कितने खतरनाक हो सकते हैं, और समय पर चिकित्सकीय सहायता न मिलने पर जानलेवा साबित हो सकते हैं।

एल सी इन्फ्रा स्टोर में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

बिजनौर (सब का सपना):- जल निगम के जल जीवन मिशन के तहत कार्य कर रही संस्था एल सी इन्फ्रा के स्टोर में अचानक लगी आग से हड़कंप मच गया। घटना के दौरान स्टोर में मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई और देखते ही देखते बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्टोर में रखा पाइप, फिटिंग और अन्य निर्माण सामग्री आग की लपटों में घिर गई। आग इतनी तेज थी कि शुरूआती प्रयासों के बावजूद उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग बुझाई, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था।

संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरव लवानिया के मुताबिक इस हादसे में करीब 60 से 70 लाख रुपये का नुकसान हुआ है, जबकि स्थानीय स्तर पर यह आंकड़ा 70 से 80 लाख रुपये तक बताया जा रहा है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, हालांकि प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट और भीषण गर्मी को वजह माना जा रहा है।

इस घटना के बाद प्रशासन भी सतर्क हो गया है। गर्मी के मौसम में लगातार बढ़ रही आग की घटनाओं को देखते हुए विभागों ने संस्थानों को सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की सलाह दी है। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन आर्थिक नुकसान काफी बड़ा है और इससे प्रोजेक्ट के कार्यों पर असर पड़ सकता है।

महिला जन आक्रोश अभियान के तहत भाजपा जिला कार्यालय पर प्रेस वार्ता, नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर जोर

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय, गंगानगर में महिला जन आक्रोश अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और अधिकारों को लेकर सरकार की नीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रेस वार्ता के मुख्य वक्ता के रूप में जनपद के प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया प्रभारी एवं संयोजक अभिनव वर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अंतुल तेवतिया, खुर्जा विधायक मीनाक्षी सिंह, स्याना विधायक देवेंद्र लोधी, डिबाई विधायक सी.पी. सिंह, पूर्व मंत्री नरेंद्र भाटी, पूर्व विधायक विमला सोलंकी, अनीता लोधी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शशि शर्मा, जिला महामंत्री संतोष वाल्मीकि, दीपक दुल्हेरा, जिला उपाध्यक्ष रीता लोधी और कल्पना वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. अरुण सक्सेना ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं को राजनीति में समान भागीदारी देने की दिशा में निर्णायक साबित होगा। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब भी महिलाओं को निर्णय-निर्माण में बराबरी देने की बात आती है, तब विपक्ष बहानों और तकनीकी अड़चनों का सहारा लेकर प्रक्रिया को बाधित करता रहा है।

उन्होंने कहा कि दशकों तक महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया, जबकि वर्तमान सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी देना कोई उपकार नहीं, बल्कि उनका संवैधानिक अधिकार है।

डॉ. सक्सेना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी जनप्रतिनिधियों से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर महिलाओं के अधिकारों का समर्थन करने का आह्वान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधेयक के समय विपक्ष ने समर्थन का दिखावा किया, लेकिन क्रियान्वयन के दौरान उनकी वास्तविक सोच सामने आ गई।

उन्होंने आगे कहा कि आज देश की महिलाएं केवल मतदाता नहीं, बल्कि एक मजबूत निर्णायक शक्ति बन चुकी हैं, जो अपने मताधिकार के माध्यम से महिला-विरोधी सोच रखने वालों को जवाब देने में सक्षम हैं।

परिसीमन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य केवल सीटों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि जनसंख्या के आधार पर संतुलित और समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है, जिससे लोकतंत्र और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को निराधार बताते हुए कहा कि किसी भी राज्य या क्षेत्र के साथ अन्याय नहीं किया जाएगा।

अंत में उन्होंने कहा कि यह समय लोकतंत्र को मजबूत करने और महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए एकजुट होने का है, न कि भ्रम फैलाने का।

चांदपुर में खड़ी कार में अचानक लगी आग, जलकर राख

बिजनौर (सब का सपना) :- चांदपुर थाना क्षेत्र के बास्टा गांव में रविवार दोपहर जिला सहकारी बैंक के पास खड़ी एक कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी कार धू-धू कर जलने लगी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार कुछ समय से सड़क किनारे खड़ी थी। अचानक उसमें से धुआं उठता दिखाई दिया और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तेज लपटों के आगे सभी प्रयास नाकाम साबित हुए और कार पूरी तरह जलकर राख हो गई।

बताया जाता है कि रविवार होने के कारण आसपास भीड़ कम थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वहां अधिक लोग मौजूद होते तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। कार मालिक के बारे में चर्चा है कि वह एक मुर्गी फार्म संचालक है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह भीषण गर्मी को माना जा रहा है, लेकिन वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, बास्टा चौकी इंचार्ज संदीप पंवार से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि वह फिलहाल बाहर हैं और उन्हें घटना की विस्तृत जानकारी नहीं है।

इस घटना ने गर्मी के मौसम में आगजनी के बढ़ते खतरे को फिर उजागर कर दिया है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

प्रभारी मंत्री ने की योजनाओं व कानून व्यवस्था की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद में प्रभारी मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी कुमार हर्ष, सीडीओ निशा ग्रेवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री ने सरकार की लाभार्थीपरक योजनाओं, विकास कार्यों एवं कानून-व्यवस्था की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया, खुर्जा विधायक मीनाक्षी सिंह, एमएलसी नरेन्द्र भाटी, स्याना विधायक देवेन्द्र सिंह लोधी एवं डिबाई विधायक चंद्रपाल सिंह मौजूद रहे।

अंगों के ट्रांसप्लांट के लिए रोहतक से दिल्ली व चेन्नई तक बना ग्रीन कॉरिडोर, मौत के बाद भी कई लोगों को जिंदा कर गए युवक

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (पीजीआईएमएस) में एक बार फिर मानवता की मिसाल देखने को मिली, जब 16 वर्षीय ब्रेनडेड किशोर के अंगों का सफलतापूर्वक दान किया गया। इसके लिए रविवार को तीसरी बार ग्रीन कोरिडोर तैयार किया गया, जिससे विभिन्न शहरों तक अंग समय पर पहुंचाए जा सके। जानकारी के अनुसार, सड़क हादसे में घायल किशोर को गंभीर अवस्था में ट्रामा सेंटर लाया गया था। डॉक्टरों की टीम ने लगातार प्रयास किए, लेकिन 24 अप्रैल को उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया गया।हार्ट चेन्नई और लिवर दिल्ली भेजा गया

इसके बाद परिजनों की सहमति से अंगदान की प्रक्रिया शुरू की गई। किशोर का हृदय चेन्नई के एक अस्पताल भेजा गया, जबकि लिवर दिल्ली और एक किडनी पंचकूला स्थित कमांड आर्मी अस्पताल पहुंचाई गई। शेष अंग पीजीआईएमएस में ही जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रखे गए हैं।एक माह के भीतर यह तीसरा अंगदान है, जो संस्थान की उपलब्धि के साथ-साथ समाज में जागरूकता का भी संकेत है। कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने परिजनों के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम कई जिंदगियों को नया जीवन देगा और दूसरों के लिए प्रेरणा बनेगा।

5 लाख करोड़ का निवेश और लाखों लोगों को रोजगार... हरियाणा में जल्द लागू होगी नई उद्योग नीति

चंडीगढ़। बहुत जल्द नायब सरकार अपनी नई उद्योग पालिसी-2026 लेकर आ रही है। ड्राप्ट तैयार हो चुका है। पिछले सप्ताह दो दिन उद्यमियों के साथ नई दिल्ली में बैठक कर पालिसी को लेकर सुझाव और निवेश पर चर्चा करने के बाद उसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। पॉलिसी बनने के बाद कैबिनेट की मंजूरी लेने के बाद उसे लागू कर दिया जाएगा। नई पॉलिसी में रोजगार, निवेश और नई तकनीक के साथ-साथ बेहतर उत्पाद बनाने वाली औद्योगिक इकाई को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। नायब सरकार का दावा है कि देश की सबसे बेहतर उद्योग पॉलिसी होगी। युवाओं और महिलाओं को मिलेगी और अधिक नौकरी नई पॉलिसी में हरियाणा के युवाओं को अधिक रोजगार देने वाली कंपनियों के लिए सरकार से मिलने वाली सालाना प्रोत्साहन राशि में बढ़ोत्तरी हो सकती है। कंपनी अगर दिव्यांग और स्थानीय महिलाओं को नौकरी देगी तो सरकार की ओर से उसे प्रति वर्ष 1.2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देगी।जो कंपनी सबसे अधिक हरियाणा के युवाओं को लगाएगी उसे अधिक सब्सिडी मिल सकती है। रिसर्च सेंटर बनाने पर 50 प्रतिशत सब्सिडी लार्ज इंडस्ट्री को दस करोड़ तो मेगा कंपनियों को पसास करोड़ रुपये तक देने का भी प्रविधान बन सकता है।

यदि कोई कंपनी अपने उत्पाद का नेशनल स्तर पर पेटेंट कराती है तो उसे 50 लाख और विश्व स्तर पर कराने पर बतौर इनाम एक करोड़ की राशि राज्य सरकार देगी। पॉलिसी के तहत एक उच्चस्तरीय समिति होगी जिसके मुख्यमंत्री खुद होंगे। यह समिति अल्ट्रा मेगा प्रोजेक्ट को मंजूरी देगी। हरियाणा एंटरप्राइजेज प्रमोशन बोर्ड का गठन होगा जिसे अध्यक्ष उद्योग मंत्री होंगे जो मेगा प्रोजेक्ट को मंजूरी देगा। एक उद्योग विभाग की समिति होगी हो छोटी औद्योगिक इकाइयों को मंजूरी देगी।

नई पॉलिसी की खसियत

कंपनियों को निवेश पर नहीं बल्कि प्रदर्शन के आधार पर लाभ मिलेगा कोर क्षेत्र में 30 प्रतिशत इंटरमीडिएट में 60 सब प्राइम में 75 और प्राइम क्षेत्र में 100 स्टांप डयूटी पर छूट मिलेगी सिंगल विंडो सिस्टम होगा। एक पोर्टल पर सभी सुविधा मिलेगी, जिसमें आनलाइन आवेदन, ट्रैकिंग सिस्टम और तय समय में स्वीकृत मिलना शामिल है। आटोमोबाइल, ऑटो पार्टस, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रानिक्स, फार्मा, मेडिकल डिवाइस, डिफेंस, ग्रीन एनर्जी, ईवी, केमिकल, तथा पेट्रोकेमिकल इन्हें पांच प्रतिशत अतिरिक्त सब्सिडी का प्रविधान बनाया जा सकता है।

रोहतक में पुलिस हिरासत में 52 साल के व्यक्ति की मौत, परिजन बोले- बेरहमी से किया टॉर्चर

रोहतक। जिले के गांव टिटौली निवासी 52 वर्षीय नरेश की शुक्रवार की देर रात पुलिस हिरासत में संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। वहीं नरेश के स्वजनों का आरोप है कि सीआइए-2 स्टाफ की टीम को उसे 22 अप्रैल की सुबह घर से उठाकर ले गई थी। कस्टडी के दौरान उसे टार्चर किया गया और बेरहमी से उसकी पिटाई की गई। उसके शरीर पर पिटाई के नीले निशान पड़े हुए थे। जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस ने पीजीआइएमएस के तीन डाक्टरों की टीम से पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को सौंप दिया है और इस मामले की जांच डीएसपी दलीप के नेतृत्व में की जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि किसी व्यक्ति ने खुद किसी गैंग का सदस्य बताते हुए एक ठेकेदार से फिरौती मांगी है। मामले में शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। इसी दौरान सामने आया कि नरेश इस मामले में किसी तरह से जुड़ा हुआ है।निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया जिसके बाद सीआईए-2 स्टाफ की टीम ने शक के आधार पर नरेश और एक अन्य व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुलाया। इसी बीच 24 की रात को नरेश की तबीयत अचानक खराब हो गई। उसने कहा कि उसकी छाती में दर्ज हो रहा है। इसके बाद सीआईए-2 स्टाफ ने उसे तुरंत मेडिकल मोड़ स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया और उसके परिजनों को मामले की जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता का कहना है कि देर रात इलाज के दौरान नरेश की मौत हो गई है। रात्रि के समय ही परिजनों की मौजूदगी में नरेश के शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआइएमएस के शव गृह में रखवाया गया था। इसके बाद शनिवार को थाना पीजीआइएमएस की ओर से डाक्टरों का बोर्ड गठित कराया गया और नरेश के परिजनों की सहमति से उसका पोस्टमार्टम करवाया गया। इसके बाद नरेश का अंतिम संस्कार परिजनों की ओर से गांव टिटौली में किया गया है। इस मामले में जिला पुलिस की ओर से डीएसपी दिलीप के नेतृत्व में जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और डॉक्टर की राय के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। उसकी बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी और उसी अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यमुनानगर में बुलेट सवार ने पुलिसकर्मी को मारी टक्कर, टांगें कुचलीं; आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। सत्संग भवन पुराना सहारनपुर रोड स्थित नाका पर तैनात पुलिसकर्मी को बुलेट बाइक सवार ने टक्कर मार दी। उसकी दोनों टांगों के ऊपर से बाइक उतार दी। जिससे टांगों में फ्रेक्चर आ गया। पुलिसकर्मी का मोबाइल टूट गया। उसकी राइफल भी क्षतिग्रस्त हो गई। सेक्टर 17 थाना पुलिस ने आरोपित बुलेट बाइक सवार दड़वा माजरी निवासी अरूण के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

पुलिस को दी शिकायत में कांस्टेबल नवीन कुमार ने बताया कि वह हरियाणा पुलिस हिसार की बटालियन में तैनात है। उनकी एक कंपनी की ड्यूटी कानून व्यवस्था संभालने के लिए यमुनानगर में लगी हुई है। इस समय सत्संग भवन पुराना सहारनपुर रोड स्थित नाका पर ड्यूटी लगी हुई है। 24 अप्रैल को नाका पर सुबह आठ से शाम आठ बजे तक इंचार्ज निर्मल सिंह, राहुल व मेरी ड्यूटी थी। इसके बाद दूसरे पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लग गई थी। रात लगभग दस बजे यहां ड्यूटी पर तैनात आकाश ने काल कर कहा कि उसे कुछ दिक्कत है। जिस कारण उसकी जगह ड्यूटी पर आ गया। इसी दौरान झोटा चौक की ओर से बुलेट बाइक सवार पटाखे बजाते हुए आया। उसे टार्च का इशारा कर रुकने का इशारा किया लेकिन उसने बाइक नहीं रोकी और स्पीड बढ़ा ली। आरोप है कि उसने सीधी टक्कर मारी। टक्कर लगते ही एक साइड में जा गिरा। चालक ने टांगों के ऊपर से बाइक उतार दी। जिससे दोनों टांगें टूट गई। उसे अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां वह उपचाराधीन है। वहीं, बाइक सवार भी अनियंत्रित होकर गिर पड़ा। उसकी पहचान दड़वा माजरी निवासी अरूण के रूप में हुई है। बाद में साथी पुलिसकर्मियों ने उसे काबू किया। सेक्टर 17 थाना प्रभारी प्रमोद वालिया ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

अंबाला में दिनदहाड़े झपटमारी की वारदात, महिला इंजीनियर से छीना पर्स iPhone सहित रखे थे डेबिट-क्रेडिट कार्ड

अंबाला शहर। जंडली पुल के पास शुक्रवार शाम एक महिला इंजीनियर से दिनदहाड़े झपटमारी का मामला सामने आया है। बाइक सवार दो युवकों ने चलते स्कूटर के पास आकर महिला का पर्स छीन लिया और फरार हो गए। बलदेव नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मीनाक्षी, निवासी कुरुक्षेत्र, वीटा मिल्क प्लांट अंबाला सिटी में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। वह शनिवार शाम करीब 4:40 बजे रेलवे स्टेशन अंबाला कैंट की ओर जा रही थीं। जंडली पुल के पास पीछे से आए दो युवकों ने उनकी एक्टिवा के नजदीक बाइक लाकर झपट्टा मारा और पर्स छीनकर तेज गति से भाग निकले।महिला के अनुसार, बदमाश काले रंग की स्प्लेंडर बाइक पर सवार थे। पीछे बैठे युवक ने सफेद कपड़े से मुंह ढका हुआ था, जिससे पहचान नहीं हो सकी। घटना इतनी तेजी से हुई कि बाइक का नंबर नोट नहीं किया जा सका।छीने गए पर्स में आइफोन 14, डेबिट और क्रेडिट कार्ड के साथ नकदी थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी की जांच शुरू कर दी है।

रोहतक में घर में लगी भीषण आग, धुआं फैलने से बेटा बेहोश; पिता अस्पताल में भर्ती

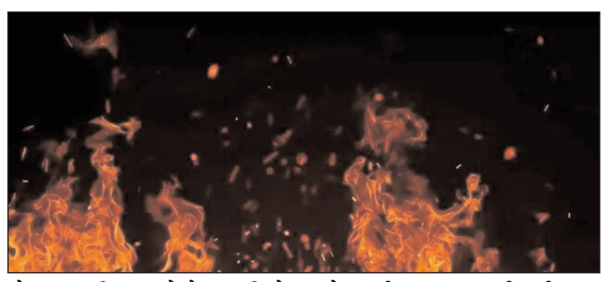

रोहतक। हरियाणा को रोहतक जिले के सुनारियां चौक स्थित शुगर मिल कालोनी में शनिवार सुबह लगभग छह बजे एक घर में भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद घर धुएं से भर गया, जिससे अंदर सो रहे पांच लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी। जब पड़ोसियों ने घर से धुआं निकलते देखा, तो वे तुरंत मौके पर पहुंचे और घर का दरवाजा तोड़कर सभी को बाहर निकाला। इस दौरान परिवार का बड़ा बेटा योगेश बेहोश हो गया, जबकि उसके पिता देव कुमार को भी बेसुध होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।देव कुमार को शाम को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। आग से घर का सारा सामान जलकर राख हो गया है, लेकिन आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया।पिंकी ने बताया कि उनके पति देव कुमार गाड़ी चलाते हैं और वे सुबह 3-4 बजे के करीब घर आए थे। इसके बाद उनका बड़ा बेटा योगेश, छोटा बेटा तरूण और बेटी स्नेहा सो रहे थे। सुबह करीब छह बजे आग लग गई, जिससे धुआं पूरे घर में फैल गया। योगेश धुएं के कारण सांस नहीं ले पा रहा था और बेहोश हो गया। इसी बीच पड़ोसी गेट तोड़कर अंदर घुस गए और सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पड़ोसियों ने पास के पार्क का सबमर्सिबल चलाकर आग बुझाने का प्रयास किया और पुलिस तथा दमकल विभाग को भी सूचित किया। दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पिंकी ने बताया कि इस आग से उनके घर में रखा सारा सामान जल गया है। बच्चों के सभी कपड़े भी जल गए हैं और उनके पास पहनने के लिए कुछ भी नहीं बचा। घर की छत भी जल गई है और धीरे-धीरे गिर रही है। इसके अलावा छत में लगा पंखा, फ्रीज, बेड और सभी आवश्यक सामान भी जल गया है।

पड़ोसियों ने कराया अस्पताल में भर्ती

पड़ोसियों की सूझबूझ से उनके बेटे की जान बच गई।

पिंकी ने कहा कि उनके बेटे को बाहर निकालने के बाद उसे होश आ गया, लेकिन पति को काफी देर तक बेसुध रहने के कारण पीजीआईएमस ले जाना पड़ा। वहां से उन्हें शाम को छुट्टी दे दी गई।

'अधूरी तैयारी की वजह से मंडियों में अव्यवस्था...', कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार पर बोला हमला

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की अनाज मंडियों में चल रहे खरीद सीजन के दौरान उत्पन्न अव्यवस्थाएं सरकार की अधूरी तैयारियों को उजागर करती हैं। पूरे सीजन में किसान, व्यापारी और मंडी मजदूर सभी वर्ग लगातार परेशान हो रहे हैं। सरकार की ओर से किए जा रहे सभी दावे फेल हो चुके हैं।

जारी बयान में सांसद सैलजा ने कहा कि सरकार द्वारा मेरी फसल मेरा ब्यौरा जैसे पोर्टल के माध्यम से सभी आंकड़े होने का दावा किया जाता है, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत दिखाई देती है। न तो उत्पादन के सही आंकड़े उपलब्ध थे और न ही मंडियों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।परिणामस्वरूप कहीं मजदूरों की कमी रही, तो कहीं उठान में देरी और अव्यवस्था देखने को मिली। सांसद ने कहा कि प्रदेश में अधिकतर जिला में जिन्हें उठान का ठेका दिया गया है उनकी ओर से घोर लापरवाही की जा रही है जिसकी सरकार अनदेखी कर रही है।मंडियों में न तो फसल के उठान के लिए पर्याप्त संख्या में ट्रक है, अधिकतर मंडी में वाहनों की कमी के चलते उठान नहीं हो पा रहा है। दूसरी ओर मंडियों में मजदूरों की संख्या में कमी देखी जा रही है, इस कमी के चलते भी गेंहू की सफाई, भराई, सिलाई और उसका उठान प्रभावित हो रहा है।

भीषण गर्मियों के बीच सब्जियों के दाम ने बढ़ाई टेंशन, टमाटर 50 तो नींबू 240 रुपये प्रति किलो बिक रहा

कैथल। भीषण गर्मी का असर सब्जियों पर देखने को मिल रहा है। तेज धूप व लू के चलते घीया, तोरी, भिंडी सहित हरी सब्जियों की बेल प्रभावित हो रही है। इस कारण मंडियों में सब्जियों की सप्लाई प्रभावित हो गई है। लोकल सब्जियां मंडियों में न होने के कारण दूसरे जिलों व राज्यों से सब्जियां आ रही है, इसके चलते दामों में भी बढ़ गए हैं। इन दिनों सबसे अधिक तेजी नींबू के दामों में देखने को मिल रही है, जो बाजार में करीब 240 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। इसके अलावा टमाटर के दाम भी बढ़कर 45 से 50 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं। सब्जियों के बढ़ते दामों से आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में हर साल सब्जियों के दाम बढ़ जाते हैं, जिससे घरेलू बजट प्रभावित होता है और रसोई का खर्च बढ़ जाता है।सब्जी विक्रेता बलजीत, अशोक और गौरव का कहना है कि गर्मी के कारण फसलों का उत्पादन प्रभावित होता है। तापमान अधिक होने से सब्जियों की पैदावार कम हो जाती है,

जिससे मंडियों में आवक घटती है और इसका सीधा असर दामों पर पड़ता है।स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि यदि मौसम में सुधार होता है और मंडियों में सब्जियों की आपूर्ति बढ़ती है, तो आने वाले दिनों में दामों में कुछ राहत मिल सकती है। फिलहाल, महंगी सब्जियों ने आम जनता की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है।

भिवानी में बूंदाबांदी, रोहतक का पारा 44 डिग्री के पार; हरियाणा में झमाझम बारिश से बदलेगा मौसम का मिजाज

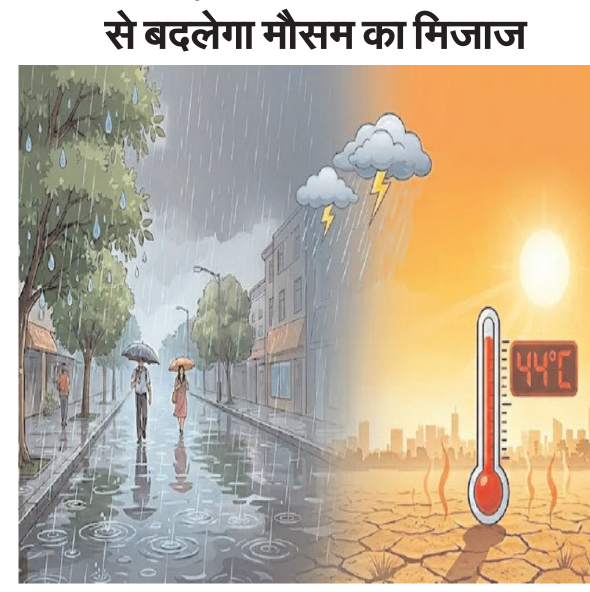

हिसार। मौसम में परिवर्तन के साथ ही शनिवार को भिवानी में सुबह के समय बूंदाबांदी हुई। प्रदेश में सुबह से ही लू चली और रोहतक का तापमान 44.6 डिग्री दर्ज किया गया। अब रविवार से मौसम में बदलाव होने की उम्मीद है। मौसम विज्ञानियों ने आने वाली 30 अप्रैल तक लगातार वर्षा होने की संभावना व्यक्त की है। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। गर्मी बढ़ने के साथ ही पशुओं की देखभाल करने की विज्ञानियों ने सलाह दी है।भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार लगातार गर्मी बढ़ने के कारण दोपहर के समय लू चल रही है। इसके चलते रोहतक का तापमान सबसे ज्यादा रहा। वहीं नारनौल का 43.5, सिरसा का 43.4 डिग्री तो हिसार का तापमान भी 43 डिग्री तक पहुंच गया।तेज हवा चलने की संभावना

मौसम विज्ञानियों की तरफ से रविवार से मौसम में बदलाव संभावना व्यक्त की है। पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से पांच दिन तक लगातार वर्षा हो सकती है। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की सकती है। वहीं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती है।

मौसम विज्ञानियों की माने तो रात के समय सबसे ज्यादा तापमान में बदलाव अंबाला, नारनौल और गुरुग्राम में आया है। इसी प्रकार दिन के समय हीट वेव रोहतक, अंबाला और करनाल में तेजी से चली।

गर्मी में बढ़ी बिजली की मांग

गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली की मांग भी बढ़ रही है। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के हिसार में एक लाख प्रति यूनिट की मांग को पार कर गई है। आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने पर यह मांग और बढ़ सकती है। वहीं किसानों को भी पशु विज्ञानियों की तरफ से गर्मी और लू से अपने पशुओं को बचाने की सलाह दी गई है।

यमुनानगर के खान टायर प्लांट में लगी भीषण आग, आठ हजार क्विंटल टायर व ट्रैक्टर जलकर राख

यमुनानगर के मुकारमपुर स्थित खान टायर प्लांट में रविवार तड़के भीषण आग लग गई, जिससे लगभग आठ हजार क्विंटल टायर और एक ट्रैक्टर जलकर राख हो गए। प्लांट मालिक ने आगजनी का शक उन ग्रामीणों पर जताया है जो फैक्ट्री बंद कराने की धमकी दे रहे थे, जबकि ग्रामीण नियमों के उल्लंघन का आरोप लगा रहे हैं।

यमुनानगर। गांव मुकारमपुर स्थित खान टायर प्लांट में रविवार की तड़के लगभग तीन बजे भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयावह थी कि उसकी लपटें और काले धुएं का गुबार कई किमी दूर तक दिखाई देता रहा। दमकल की गाड़ियां पहुंची। सुबह लगभग 11 बजे तक गाड़ियां आग बुझाने में लगी रही। वहीं प्लांट मालिक का आरोप है कि गांव के ही कुछ लोग फैक्ट्री को लेकर उनकी बार-बार शिकायत दे रहे हैं। उनकी फैक्ट्री को अवैध बताया जा रहा है। आरोपित यह भी धमकी दे रहे थे कि यदि प्रशासन ने फैक्ट्री बंद नहीं कराई तो वह खुद बंद कराएंगे। उन पर आग लगाने का शक जताया गया है। आग से प्लांट में रखा टायरों का स्टाक जलकर खाक हो गया। जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।प्लांट मालिक मुरसलीन ने बताया कि 21 अप्रैल से फैक्ट्री बंद थी। उनके ठेकेदार व मशीन आपरेशन बालाजी घूमने के लिए गए थे। केवल लेबर ही फैक्ट्री में थी। लगभग तीन बजे मजदूरों ने टायरों के स्टाक में आग लगी देखी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही वह भी फैक्ट्री में पहुंच गए। मजदूरों के बीच अफरा तफरी मची हुई है। वह इधर उधर भाग रहे थे तो कुछ अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन आग भड़कती चली गई। दमकल की गाड़ी एक घंटे देरी से पहुंची आरोप है कि दमकल को सूचना दी गई। लगभग एक घंटे की देरी से चार बजे दमकल की गाड़ियां पहुंची। दमकल की पांच गाड़ियां पहुंची। जिन्होंने तीन से चार चक्कर लगाए। लगभग 11 बजे तक आग को बुझा लिया गया। टायर ज्वलनशील है। इसके साथ ही यहां पर तेल के टैंक भी थे। ऐसे में आंच अब तक उठ रही है। मुरसलीन ने बताया कि आग में करीब आठ हजार क्विंटल टायरों का स्टाक पूरी तरह जल गया। एक ट्रैक्टर भी जल गया। आग केवल स्टाक वाले हिस्से में ही लगी। मशीनें सुरक्षित रही। वहीं आग बुझाने पहुंचे दमकल के कर्मचारी का कहना है कि पौने चार बजे सूचना मिली। जिसके तुरंत बाद गाड़ियां पहुंच गई थी। फैक्ट्री में नियमों का उल्लंघन का आरोप इस फैक्ट्री को बंद कराने को लेकर गांव के ही कुछ लोग शिकायत कर रहे हैं। दो दिन पहले भी प्रशासन के पास शिकायत पहुंची थी। इन लोगों का कहना है कि यह फैक्ट्री मानकों को पूरा नहीं कर रही है। न तो यहां पर चिमनी लगी है और न ही प्रशासन से कोई अनुमति ली गई है। यह फैक्ट्री प्रदूषण फैला रही है। इसलिए ही शिकायत की जा रही है। हालांकि प्लांट मालिक का कहना है कि उनकी फैक्ट्री में सभी मानक पूरे हैं। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। मामले की जांच की जा रही है।

अष्टविनायक मंदिर
जहां 1892 से लगातार प्रज्जवलित है नंददीप

रायगढ़ जिले के कोल्हापुर में महड़ गांव में है अष्टविनायक तीर्थ का चौथा मंदिर वरदविनायक श्री गणेश मंदिर जहां सालों से एक दीप लगातार जल रहा है। अष्ट विनायक में चौथे गणेश हैं श्री वरदविनायक। यह मंदिर महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के कोल्हापुर क्षेत्र में एक सुन्दर पर्वतीय गांव है महड़। इसी गांव में श्री वरदविनायक मंदिर स्थित है। यहां प्रचलित मान्यता के अनुसार वरदविनायक भक्तों की सभी कामनों को पूरा होने का वरदान प्रदान करते हैं। इस मंदिर में नंददीप नाम का एक दीपक है जो 1892 से लगातार प्रज्जवलित है। वरदविनायक का नाम लेने मात्र से ही सारी कामनाओं को पूरा होने का वरदान प्राप्त होता है। इस मंदिर में माघी चतुर्थी पर विशेष पूजा होती है। इसके अतिरिक्त भाद्रपद की गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक भी विशेष उत्सव होता है जिसे देखने भक्तों का हुजूम उमड़ता है।

अष्टविनायक वरदविनायक मंदिर में लगातार जल रहा एक दीपक

मंदिर से जुड़ी कहानी

पौराणिक कथाओं के अनुसार प्राचीन काल में एक संतानहीन राजा था। अपने दुख के निवारण के लिए वो ऋषि विश्वामित्र की शरण में गया और सलाह मांगी। ऋषि ने उसे श्री गणेश के एकाक्षरी मंत्र का जाप करने के लिए कहा। राजा ने ऐसा ही किया और भक्ति भाव गजानन की पूजा करते हुए उनके मंत्र का जाप किया। मंत्र के प्रभाव और गणपति के आर्शिवाद से उसका रुक्मांगद नाम का सुंदर पुत्र हुआ जो अत्यंत धर्मनिष्ठ भी था। युवा होने पर एक बार शिकार के दौरान जंगल में घूमते हुए रुक्मांगद, ऋषि वाचक्नवी के आश्रम में पहुंचा। यहां ऋषि की पत्नी मुकुंदा राजकुमार के पुरुषोचित सौंदर्य को देख कर उस पर मोहित हो गई और उससे प्रणय याचना की। धर्म के मार्ग पर चलने वाले रुक्मांगद ने इसे अस्वीकार कर दिया और तुरंत आश्रम से चला गया। दूसरी ओर ऋषि पत्नी उसके प्रेम में पागल जैसी हो गई। उसकी अवस्था के बारे में जान कर देवराज इंद्र ने इसका लाभ उठाने के लिए रुक्मांगद का भेष धारण कर मुकुंदा से प्रेम संबंध बनाये, जिससे वो गर्भवती हो गई। कुछ समय बाद उसने ग्रिसमाद नामक पुत्र को जन्म दिया। युवा होने पर अपने जन्म की कहानी जान कर इस पुत्र ने मुकुंदा को श्राप दिया कि वो कांटेदार जंगली बेर की झाड़ी बन जाये। इस पर मुकुंदा ने भी अपने बेटे को श्राप दिया कि वो एक क्रूर राक्षस का पिता बनेगा। उसी समय एक आकाशवाणी से पता चला कि मुंकुदा की संतान का पिता वास्तव में इंद्र है। दोनों माता और पुत्र अत्यंत लज्जित हुए और मुकुंदा एक कांटेदार झाड़ी में बदल गई जबकि उसका पुत्र पुष्पक वन में जाकर श्री गणेश की तपस्या करने लगा। बाद में प्रसन्न हो गणेश जी ने उसे त्रिलोकविजयी संतान का पिता बनने और एक वर मांगने का आर्शिवाद दिया। तब ग्रिसमाद ने कहा कि वे स्वयं यहां विराजमान हों और प्रत्येक भक्त की मनोकामना पूर्ण करें। इसके बाद उसने भद्रका नाम से प्रसिद्ध स्थान पर मंदिर का निर्माण किया और श्री गणेश यहां वरदविनायक के रूप में प्रतिष्ठित हुए।

मंदिर का स्थापत्य

वर्तमान वरदविनायक मंदिर के बारे में कहा जाता है की इसका निर्माण 1725 में सूबेदार रामजी महादेव बिवलकर ने करवाया था। मंदिर का परिसर सुंदर तालाब के एक किनारे बना हुआ है। ये पूर्व मुखी अष्टविनायक मंदिर पूरे महाराष्ट्र में काफी प्रसिद्ध है। यहां गणपति के साथ उनकी पत्नियों रिद्धि और सिद्धि की मूर्तियां भी स्थापित हैं। मंदिर के चारों तरफ चार हाथियों की प्रतिमायें बनाई गई हैं। मंदिर के ऊपर 25 फीट ऊंचा स्वर्ण शिखर निर्मित है। इसके नदी तट के उत्तरी भाग पर गौमुख है। मंदिर के पश्चिम में एक पवित्र तालाब बना है। मंदिर में एक मुषिका, नवग्रहों के देवताओं की मूर्तियां और एक शिवलिंग भी स्थापित है। अष्टविनायक वरदविनायक मंदिर के गर्भगृह में भी श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति है।

भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं भगवान श्रीनाथजी

नाथद्वार में स्थित भगवान श्रीनाथजी का चमत्कारी मंदिर है। यह मंदिर कई चमत्कारी कहानियों के लिए जाना जाता है। माना जाता है कि श्रीनाथजी खुद भगवान विष्णु के अवतार हैं। पौराणिक मान्यता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण सात साल के थे, तब वह यहां पर विराजमान हो गए थे। इस दौरान मंदिर में मौजूद श्रीकृष्ण की काले रंग की मूर्ति को एक पत्थर से तराशा गया है। वहीं यह अपने आप में हैरान कर देने वाली चीज है। यहां भगवान भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं। इसलिए श्रद्धालु अपने साथ चावल लेकर जाते हैं। दर्शन के बाद श्रद्धालु इन चावलों को अपनी तिजोरी में रखते हैं, जिससे कि घर में धन कमी न हो।

उस समय श्रीनाथजी की मूर्ति जोधपुर के पास चौपासनी गांव में थी। चौपासनी गांव में कई समय तक बैलगाड़ी में श्रीनाथजी की मूर्ति की पूजा होती रही। हालांकि अब यह गांव

जोधपुर का हिस्सा बन गया है। वहीं जिस जगह ये बैलगाड़ी खड़ी थी, वहां पर श्रीनाथजी का मंदिर बना है। कोटा से करीब 10 किमी दूर श्रीनाथजी की चरण पादुकाएं उसी दौरान आज तक वहीं रखी हुई है। इस स्थान को चरण चौकी के नाम से जानते हैं।

मंदिर से जुड़े नियमों के मुताबिक सर्दियों में प्रभु श्रीनाथजी को उठाकर भोग लगाया जाता है। वहीं रात में प्रभु को सुलाने के लिए कवियों के पदों का गान किया जाता है। श्रीनाथजी के शयनानन्तर तक बीन भी बजाई जाती है। वहीं गर्मी में उनके लिए पंखे की सेवा की जाती है। वहीं सर्दियों में उनको ठंड से बचाने के लिए श्रीनाथजी की मूर्ति के पास अंगीठी रखी जाती है।

सावधान ! कहीं आपका झाड़ू-पोछा ही तो नहीं बन रहा गरीबी का कारण?

वास्तु शास्त्र में घर की हर छोटी-बड़ी वस्तु का संबंध ऊर्जा से होता है। झाड़ू और पोछा, जिन्हें हम सफाई का साधन मात्र समझते हैं, वास्तव में वे माता लक्ष्मी का प्रतीक माने गए हैं। यदि इन्हें गलत समय या गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह घर की सुख-समृद्धि को छीनकर दरिद्रता ला सकते हैं। तो आइए जानते हैं झाड़ू-पोछे से जुड़े वो वास्तु नियम, जिन्हें नजरअंदाज करना आपको भारी पड़ सकता है।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू लगाना

वास्तु के अनुसार, सूर्यास्त के बाद या शाम के समय झाड़ू लगाना 'लक्ष्मी को घर से बाहर निकालने' के समान है।

कारण : माना जाता है कि शाम का समय माता लक्ष्मी के आगमन का होता है। उस समय घर से गंदगी बाहर निकालने के चक्कर में हम घर की सकारात्मक ऊर्जा को भी बाहर कर देते हैं।

उपाय : यदि मजबूरी में झाड़ू लगानी भी पड़े, तो कूड़ा घर के

बाहर न फेंकें, उसे एक कोने में इकट्ठा कर दें और सुबह बाहर निकालें।

झाड़ू को रखने का सही तरीका और दिशा

जैसे हम अपने धन या कीमती गहनों को छिपाकर रखते हैं, वैसे ही झाड़ू को भी छिपाकर रखना चाहिए।

छिपाकर रखें : झाड़ू पर किसी बाहरी व्यक्ति या मेहमान की नजर नहीं पड़नी चाहिए। इससे घर की बरकत कम होती है।

लेटाकर रखें : झाड़ू को कभी भी खड़ा करके नहीं रखना चाहिए। खड़ी झाड़ू घर में 'कलह' और 'तनाव' का कारण बनती है। इसे हमेशा लेटाकर रखें।

सही दिशा : झाड़ू रखने के लिए घर का दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम कोना सबसे शुभ माना जाता है। इसे कभी भी उत्तर-पूर्व में न रखें।

पोछा लगाने के गुप्त नियम

पोछा केवल फर्श साफ नहीं करता, बल्कि घर की नकारात्मकता को भी सोखता है।

नमक का उपाय : हफ्ते में कम से कम एक बार पोछे के पानी में सेंधा नमक जरूर मिलाएं। नमक नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने में जादुई काम करता है।

गुरुवार को पोछा न लगाएं : धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुरुवार को पोछा लगाने से घर के 'ईशान कोण' और गुरु ग्रह पर बुरा असर पड़ता है, जिससे धन हानि हो सकती है।

टूटी हुई झाड़ू का उपयोग न करें

अक्सर लोग झाड़ू के टूटने के बावजूद उसे इस्तेमाल करते रहते हैं। वास्तु शास्त्र में टूटी हुई झाड़ू दरिद्रता का सीधा संकेत है। यह घर में आर्थिक तंगी और मानसिक अशांति पैदा करती है। जैसे ही झाड़ू खराब हो, उसे तुरंत बदल देना चाहिए।

झाड़ू का अपमान न करें

झाड़ू को पैर मारना, उसे लांघना या उसके ऊपर पैर रखना माता लक्ष्मी का अपमान माना जाता है। ऐसा करने से घर के मुखिया पर कर्ज बढ़ता है और आय के स्रोत घटने लगते हैं।

रात में सिंक में जूठे बर्तन छोड़ते हैं?

रसोई की ये छोटी सी लापरवाही रोक सकती है पूरे घर की बरकत

क्या आप भी रात में किचन के जूठे बर्तन सिंक में छोड़कर सो जाते हैं? वास्तु कहता है कि यह आदत सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि घर की सुख-समृद्धि पर असर डालती है। रात में गंदे बर्तन छोड़ने से नकारात्मकता और धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, अगर आप रसोई में साफ-सफाई और वास्तु नियमों का ध्यान रखते हैं, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इससे न सिर्फ सुख-शांति आती है, बल्कि आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर रात के समय रसोई के सिंक में जूठे बर्तन छोड़ना क्यों गलत माना जाता है।

रात में जूठे बर्तन छोड़ना क्यों गलत

वास्तु शास्त्र के अनुसार रात में किचन को गंदा छोड़ना या सिंक में जूठे बर्तन रखना अच्छा नहीं माना जाता। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और मां लक्ष्मी की कृपा कम हो सकती है। इसका असर आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है।

अगर बर्तन धोना संभव न हो तो क्या करें

अगर किसी कारण से रात में बर्तन साफ करना संभव न हो, तो कम से कम उनमें पानी डालकर जरूर रखें। ऐसा करने से नकारात्मक प्रभाव कुछ हद तक कम हो जाता है। हालांकि इसे रोज की आदत बनाना ठीक नहीं माना जाता।

रसोई से जुड़े जरूरी वास्तु नियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन में पानी और आग से जुड़ी चीजों को पास-पास नहीं रखना चाहिए। सिंक और गैस चूल्हे के बीच दूरी बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि इससे घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित होती है।

छोटी गलतियां जो बनती हैं बड़ी परेशानी

किचन में चाकू-छुरी जैसी नुकीली चीजों को खुला नहीं रखना चाहिए। इन्हें हमेशा ढककर या ऐसी जगह रखें जहां सीधी नजर न पड़े। साथ ही रसोई में साफ-सफाई और हवा-रोशनी का अच्छा इंतजाम होना चाहिए।

क्या चीजें तुरंत हटानी चाहिए

रसोई में गंदे कपड़े, टूटे बर्तन या खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान रखना अशुभ माना जाता है। ये चीजें नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती हैं और घर की सुख-शांति पर असर डाल सकती हैं।

क्या गलत दिशा में सिर रखकर सोना बन रहा है आपकी थकान की वजह?

गहरी नींद के चमत्कारी वास्तु नियम

आज के बदलते लाइफस्टाइल और भागदौड़ भरी जिंदगी में रात को भरपूर नींद लेने के बाद भी सुबह उठकर कई लोग थकान और भारीपन का अनुभव करते हैं। अक्सर हम इसे खराब आदतों अथवा गलत खान-पान का नतीजा मान लेते हैं। वास्तु विद्वानों के अनुसार, सुकून भरी नींद न आना अथवा हर समय थकान अनुभव होते रहने का एक बड़ा कारण आपके सोने की गलत दिशा भी हो सकती है। वास्तु विज्ञान में सोते समय सिरहाने की दिशा का बहुत महत्व है। इससे व्यक्ति के मस्तिष्क और शरीर की ऊर्जा पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आइए जानते हैं कहीं गलत दिशा में सिर रखकर सोना आपकी थकान की वजह तो नहीं बन रहा। वास्तु अनुसार किस दिशा में सिर रखकर सोएं-

दक्षिण दिशा :

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, गहरी नींद और लंबी उम्र का राज दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोना है। यह दिशा सबसे अधिक लाभकारी और शुभ मानी गई है। इस दिशा में सोना स्थिरता और शक्ति का प्रतीक है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी देखें तो इस दिशा में सिर रखने से शरीर का चुंबकीय संतुलन पृथ्वी के चुंबकीय प्रभाव के साथ सही बैठता है, जिससे रक्त संचार सुचारु रुप से होता है। जिससे गहरी व तनावमुक्त नींद का अनुभव किया जा सकता है।

पूर्व दिशा :

अगर आप मानसिक शांति और एकाग्रता चाहते हैं तो पूर्व दिशा की ओर सिर करके सोना आपके लिए सर्वोत्तम विकल्प है। विद्यार्थियों और विचारकों के लिए तो यह दिशा किसी वरदान से कम नहीं है। शास्त्रों में पूर्व दिशा सकारात्मकता और ज्ञान की दिशा मानी गई है। जिन्हें मानसिक दबाव, डिप्रेशन, एंजाइटी अथवा भूलने की समस्या है, उनके लिए इस दिशा में सोना लाभकारी है। यह डायरेक्शन सोचने-समझने की क्षमता और फोकस को बढ़ावा देती है।

भूलकर भी उत्तर दिशा में न रखें सिर :

वास्तु नियमों के अनुसार, उत्तर दिशा में कभी भी सिर रखकर नहीं सोना चाहिए। किंवदंतियों के अनुसार कहा जाता है कि उत्तर दिशा की ओर सिर करने से शरीर और धरती के चुंबकीय क्षेत्र के मध्य असंतुलन पैदा होता है। जिससे नींद और जागृत अवस्था इंबैलेंस हो जाती है। तभी तो नींद में बार-बार रुकावट, रेस्टलेसनेस, सिर में दर्द और सुबह उठने पर भारीपन जैसी प्रॉब्लम होती हैं।

छोटी आदत, बड़ा बदलाव :

कई बार जीवनशैली में किए गए छोटे-छोटे बदलाव, जीवन में बड़ा परिवर्तन ले आते हैं। उसी तरह सोने की दिशा में भी ऊपर दिया गया यह मामूली बदलाव आपकी लाइफ में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाएगा। जब आप यहां बताए गए वास्तु नियमों का पालन करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको एहसास होगा की आपकी नींद की गुणवत्ता पहले से बेहतर हो गई है। साथ ही मानसिक शांति और शरीर में ऊर्जा का स्तर भी काफी बेहतर हुआ है।

एक्टिंग नहीं छोड़ रहे हैं करण वाही

टीवी से वेब सीरीज का सफर तय करने वाले अभिनेता करण वाही 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'नेवर किस योर बेस्ट फ्रेंड' (सीजन 2) और 'चन्ना मेरेया' जैसे कई शो में अभिनय करने के बाद घर-घर में मशहूर हो गए। हाल ही में उन्होंने अपने आध्यात्मिक सफर और जीवन में कुछ देर बाद अपने विश्वासों तक पहुंचने के बारे में खुलकर बात की। सोशल मीडिया पर उनके ये बयान वायरल होने के बाद कई लोगों ने कयास लगाए कि करण अभिनय पूरी तरह छोड़ने वाले हैं। चर्चाओं के बढ़ने के बाद अब अभिनेता ने इसके पीछे की सच्चाई बताई है। करण वाही ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उस पोस्ट में कहा गया था कि अभिनेता ने आध्यात्मिकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय से दूरी बनाने का फैसला किया है। इस पोस्ट को स्टोरी पर साझा करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, 'आध्यात्मिक होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे अपना काम छोड़ना होगा। कृपया वायरल होने के लिए अफवाहें न फैलाएं। संबंधित व्यक्ति से अनुरोध है कि इस पोस्ट को हटा दें और झूठ न फैलाएं। धन्यवाद।' वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वाही को हाल ही में सोनी लिव पर स्ट्रीम करने वाली रोमांटिक थ्रिलर सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' (2024) में देखा गया था।

अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल!

पिछले साल मृणाल ठाकुर और धनुष के रिश्ते को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही थीं। यहां तक कि दोनों की शादी तक कीं अफवाहें बी-टाउन की गलियों में फैली थीं। हालांकि, मृणाल ने कई बार इन्हें अफवाहें बताकर खारिज किया। अब एक बार फिर मृणाल और धनुष चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वजह पर्सनल नहीं बल्कि प्रोफेशनल है। चर्चाएं हैं कि मृणाल ठाकुर धनुष के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आ सकती हैं।

धनुष करेंगे फिल्म का निर्देशन

इंडिया टुडे में छपी एक खबर के मुताबिक, एक महिला प्रधान फिल्म पर काम चल रहा है और मृणाल ठाकुर को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में महिला मुख्य कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बातचीत अंतिम चरण में है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ अन्य खबरों के अनुसार, धनुष इस फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं, जो 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

उड़ी थीं मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें

धनुष और मृणाल ठाकुर के बारे में अफवाहें पिछले साल अगस्त 2025 से फैलनी शुरू हुई थीं। जब दोनों को मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर एक साथ देखा गया। इससे पहले धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में भी मृणाल ठाकुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा था। सोशल मीडिया पर धनुष के परिवार के सदस्यों को फॉलो करते हुए मृणाल के देखे जाने के बाद अटकलें और तेज हो गईं। बाद में मृणाल ठाकुर ने अपनी फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान अपनी शादी की अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने इन चर्चाओं को सिर्फ अफवाह बताया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में आदिवी शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आईं। इस एक्शन रोमांटिक ड्रामा को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही। वहीं धनुष अपनी अगली फिल्म 'कारा' की तैयारी में जुटे हैं, जो 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं अकेलापन महसूस करने लगी थी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।''

उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।''

अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

जैकी भगनानी न रकुल प्रीत सिंह से शादी के कारणों आपसी बॉन्डिंग को लेकर बात की

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ में कपल गोल देते रहते हैं। हाल ही में जैकी भगनानी ने अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि शादी के बावजूद वह अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप की तरह मानते हैं। साथ ही जैकी ने आपस की बॉन्डिंग को लेकर भी बात की। हाल ही में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने शादी के कारणों और अपने रिश्ते में आए बदलावों के बारे में बात की। जैकी ने बताया कि हमने एक-दूसरे से कहा कि अब हम 20-21 साल के नहीं हैं। हम दोनों ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से खुशमिजाज इंसान हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश नहीं कर रहा जो मेरे जीवन की कमी को पूरा कर सके, क्योंकि अगर मैं उदास रहूंगा, तो चाहे कोई भी मेरे जीवन में आए, मैं उदास ही रहूंगा। तुम भी व्यक्तिगत रूप से खुश हो। साथ में हम और भी खुश हैं। इस पर रकुल ने कहा कि वे एक-दूसरे के जीवन की कमी को पूरा कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि तुम मुझे छुट्टी पर नहीं ले गए, इसलिए मैं दुखी हूं। मैं अकेले भी छुट्टी पर जा सकती हूं। मुझे लगता है कि जीवन में बात करने के लिए और भी महत्वपूर्ण बातें हैं।

इस दौरान जैकी ने कहा कि रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, क्योंकि शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उससे हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं स्पीकरफोन पर बात करने में जरा भी संकोच नहीं करता। यह जताते हुए कि मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। मैं कुछ भी नहीं छिपाता, इसलिए मुझे घुटन महसूस नहीं होती।

अपना काम ईमानदारी से करना ही हीरोइज़्म है

थिएटर की दुनिया से मनोरंजन जगत में आए विजय वर्मा के लिए एक्टिंग की राह बिलकुल भी आसान नहीं थी। अपने हिस्से का संघर्ष तो उन्हें भी करना ही पड़ा। छोटी-छोटी भूमिकाओं के बाद जब उन्हें मेन रोल मिले, तो उन्होंने अपनी एक्टिंग और परफॉर्मेंस से खास जगह बना ली। 'दहाड़' का साइको किलर हो या 'गुस्ताख इश्क' का शायर आशिक, विजय अपनी भूमिकाओं को यादगार बनाते चले गए हैं। 'गली बॉय' के विजय आज मेकर्स की पसंद बन चुके हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' से। हाल ही में सोशल मीडिया पर विजय वर्मा की शादी को लेकर एक बार फिर चर्चा होने लगी है। हमने उनसे पूछा कि सलमान खान के बाद अब आपकी शादी की फिक्र कर रहे हैं लोग। आपकी मम्मी भी आपके पास आई हुई हैं, क्या शादी को लेकर पारिवारिक दबाव है? इस पर वह हंस देते हैं और कहते हैं, 'बिलकुल। मेरी मम्मी भी शादी को लेकर मेरे पीछे पड़ी रहती हैं, मगर अब वह बोल-बोल कर थक चुकी हैं। अब ज्यादा बोलती नहीं। जहां तक सलमान साहब की बात है, तो जब वह शादी कर लेंगे, तो मैं उसके बाद कर लूंगा।' सीरीज हो या फिल्में आज नायक की परिभाषा बदल गई है। विजय वर्मा जैसे कलाकारों ने अपनी अभिनय अदायगी से अपने किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। हीरोइज़्म को परिभाषित करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए हीरोइज्म वो है, जो खुद के हित के लिए नहीं बल्कि बड़े हित के लिए काम करे। जैसे मेरे अलावा किसी और का भी भला हो। मैं मानता हूं कि अपना काम भी ईमानदारी से करना भी हीरोइज़्म है। जैसे मेसी जब फुटबॉल खेल रहा होता है, तो पूरी दुनिया उसके लिए गायब हो जाती है और उसका पूरा ध्यान अपने खेल में होता है। जिस नशे और पागलपन से वह अपनी बॉल को गोल तक ले जाता है, वह भी तो एक तरह का हीरोइज्म है।'

कट्टरपंथी हवा से लोग दबा-कुचला महसूस करते हैं

विजय मानते हैं कि कट्टरपंथ के कारण लोग प्रभावित हो रहे हैं। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी है। मगर हां इन दिनों एक एंटी वोक (कट्टरपंथी) सेंटिमेंट खूब चल रहा है। इसके कारण लोग बहुत ही दबा-कुचला हुआ महसूस कर रहे हैं कि क्या बोलें, क्या करें और क्या न करें? क्या सोचें, क्या न सोचें? उसका एक प्रतिशोध मैं महसूस कर रहा हूं न सिर्फ इंडिया में बल्कि पूरी दुनिया में। दूसरे देश में एक ऐसे लीडर भी बैठे हैं, जो इसे रीप्रेजेंट भी करते हैं। मुझे लगता है, समाज में जो चल रहा है, उसी का रिफ्लेक्शन आपको फिल्मों मिलेगा।'

इंडस्ट्री में अनिश्चितता है टॉक्सिसिटी नहीं

हाल ही में एक अवॉर्ड शो में एक जाने -माने स्टैंड-अप कॉमेडियन ने अपने 'धुरंधर' जोक से इंडस्ट्री की भीतरी ईर्ष्या पर तंज किया। पिछले दिनों भी इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी को लेकर खूब बहस चली। अनुराग कश्यप जैसे निर्देशक तो मुंबई से शिफ्ट ही हो गए। इस मुद्दे पर विजय कहते हैं, 'मुझे लगता है अनसर्टेनिटी है, डर है कि क्या चलेगा क्या नहीं क्योंकि स्टेक्स बढ़ गए हैं। मुझे याद है एक समय में तीन-चार करोड़ में स्मॉल बजट फिल्म बन जाती थी। आज की तारीख में मैं जब प्रोड्यूसर से बात करता हूं, तो छोटे बजट की फिल्मों की बात 15-20 करोड़ तक जाती है। अब इसमें मार्केटिंग और पीएनए को जोड़ दिया जाए, तो फिल्म का बजट 30-35 करोड़ तक चला जाता है। आज फिल्म निर्माण का गणित अचानक से बदल गया है। उस हिसाब से कुछ कॉन्सेप्ट्स ऐसे हैं नहीं, जिन पर इतना खर्च किया जाए, पर करना पड़ रहा है। कुछ सब्जेक्ट्स ऐसे हैं, जिन पर काफी खर्च करना पड़ेगा, मगर उनकी रिकवरी की गारंटी नहीं है। इन मुद्दों के कारण अनिश्चितता बढ़ जाती है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।